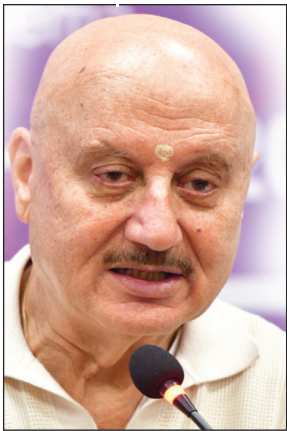




सब का सपना



भाकियू (टिकैट) गुट के कार्यकर्ताओं ने धनौरा एसडीएम को सौंपा 6 **पेज: 3**

वर्ष : 02

अंक : 198

शुक्रवार 23 अक्टूबर 2026

अमरोहा (उत्तर प्रदेश)

www.sabkasapna.com

पृष्ठ : 08

मूल्य: 2 रुपए

भारत सरकार लद्दाख के साथ नहीं कर रही अच्छा व्यवहार : वांगचुक

नई दिल्ली । प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने केंद्र पर लद्दाख के लोगों से किए गए वादों से बार–बार पीछे हटने का गंभीर आरोप लगा दिया है । अपने वीडियो संदेश में वांगचुक ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा 22 अक्टूबर को वार्ता का आश्वासन देने के बाद वे दिल्ली पहुँचे थे, लेकिन अब बातचीत से इंकार किया जा रहा है । केंद्र सरकार अपने वादों से मुकर रही है, जिसमें लद्दाख को छठी अनुसूची के तहत संवैधानिक सुरक्षा देने का मुख्य वादा भी शामिल है । वांगचुक ने कहा कि इस संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्र के लोग बहुत आहत और दुखी हैं । एक ओर चीन का दबाव है जो लद्दाख पर अपना दावा ठोका है, वहीं दूसरी ओर जिस भारत से यहाँ के लोगों को गहरा लगाव है, वह भी उनके साथ सही व्यवहार नहीं कर रहा है । उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार लद्दाख के नागरिकों को देश के अन्य लोगों के समान लोकतांत्रिक अधिकार नहीं दे रही है । लद्दाख की जनता को अपने प्रतिनिधियों और वोट के माध्यम से अपनी आकांक्षाएं जाहिर करने के लोकतांत्रिक अधिकार से लगातार वंचित रखा जा रहा है ।

अहमदाबाद–वडोदरा एक्सप्रेसवे पर 25 करोड़ रुपये के झ्रस जब्त

अहमदाबाद । गुजरात में नशे के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है । अहमदाबाद–वडोदरा एक्सप्रेसवे पर सीटीएम टोल प्लाजा के पास से करीब 25 करोड़ रुपये मूल्य के माफ़क पदार्थ जब्त किए गए हैं । इस कार्रवाई के दौरान अंतरराज्यीय झ्रस तस्करी गिरोह के 3 शांतिर तस्करों को गिरफ्तार किया है । अहमदाबाद और सूरत पुलिस की काइम ब्रांच की संयुक्त टीम द्वारा चलाए गए इस गुप्त अभियान में वाहन की तलाशी के दौरान 4.53 किलोग्राम हेरोइन और 2.49 किलोग्राम मेफेंडोन (एम्पडी) बरामद हुईं । पकड़े गए तस्करों की पहचान दिल्ली निवासी टिफेल नोखेज (44) और कफील अहमद (59) तथा मेरठ (उत्तर प्रदेश) निवासी मोहम्मद इमरान अल्वी (38) के रूप में हुई है । पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपी अत्यस्त अपराधी हैं । आरोपी नोखेज पहले भी अमृतसर में भारी मात्रा में हेरोइन की सप्लाई में शामिल रहा है, जबकि कफील अहमद जयपुर और अहमदाबाद में चरस, एमडी और अल्फाजोतम की बड़ी खपत के साथ पकड़ा जा चुका है । वहीं, अल्वी का नाम मानव तस्करी और धोखाधड़ी जैसे आपराधिक मामलों में दर्ज है । पुलिस फिलहाल तीनों से पूछताछ कर यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि झ्रस की यह बड़ी खेप कहाँ से लाई जा रही थी और इसे गुजरात में किसे डिलीवर किया जाना था ।

उधमपुर में सौतेले बेटे ने महिला पर पेट्रोल छिड़ककर लगाई आग, इलाज के दौरान दर्दनाक मौत

उधमपुर । जम्मू–कश्मीर के उधमपुर जिले से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहाँ घरेलू विवाद के चलते एक सौतेले बेटे ने अपनी मां को पेट्रोल छिड़ककर जिंदा जला दिया । गंभीर रूप से झुलसी महिला की इलाज के दौरान मौत हुई है । पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर आरोपी सौतेले बेटे को गिरफ्तार किया है । घटना उधमपुर के हाउसिंग कॉलोनी इलाके की है । पुलिस के अनुसार, आरोपी मोक्ष वर्मा ने अपने घर के भीतर ही अपनी 42 वर्षीय सौतेली मां सुष्मा देवी पर ज्वलनशील पदार्थ (पेट्रोल) छिड़क कर आग लगा दी । आग की लपटों से घिरी महिला की चीख–पुकार सुनकर पड़ोसी और परिजन मौके पर पहुंचे और किसी तरह आग बुझाई ।

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के बीच गुरुवार को नई दिल्ली में द्विपक्षीय वार्ता हुई, जिसमें दोनों देशों ने रक्षा, अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा, व्यापार और वैश्विक मुद्दों पर सहयोग को और गहरा करने पर सहमति जताई। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वर्ष 2024 में उनकी पोलैंड यात्रा के दौरान दोनों देशों ने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया था और पिछले दो वर्षों में इस साझेदारी को नई गति मिली है । प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और पोलैंड की मित्रता केवल कूटनीतिक संबंधों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानवता और संवेदना की साझा विरासत पर आधारित है । उन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध का उल्लेख करते हुए कहा कि उस कठिन दौर में जामनगर और कोल्हापुर के शाही परिवारों ने हजारों पोलिश बच्चों और परिवारों को भारत में शरण देकर



दोनों देशों के बीच मानवीय संबंधों को और मजबूत किया था। पीएम मोदी ने कहा, ह्दुनिया इस समय अनिश्चितताओं और बदलावों के दौर से गुजर रही है, ऐसे समय में भी भारत और पोलैंड दोनों विकास, प्रौद्योगिकी और नवाचार के

महत्वपूर्ण केंद्रों के रूप में उभर रहे हैं। इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने पोलैंड की अर्थव्यवस्था के एक ट्रिलियन डॉलर जोड़ीपी के ऐतिहासिक स्तर को पार करने पर प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क को बधाई दी। मोदी ने आगे कहा, वहीं भारत ने भी

पिछली तिमाही में 7.8 प्रतिशत की शानदार ग्रोथ दर्ज की है। हमारी बढ़ती आर्थिक ताकत ने भारत-पोलैंड साझेदारी में नए अवसर पैदा किए हैं। ह्द इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते

■ **इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने पोलैंड की अर्थव्यवस्था के एक ट्रिलियन डॉलर जीडीपी के ऐतिहासिक स्तर को पार करने पर प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क को बधाई दी। मोदी ने आगे...**

(एफटीए) ने भारत और पोलैंड के बीच आर्थिक साझेदारी के लिए नए अवसर पैदा किए हैं। उन्होंने कहा कि समझौता लागू होने के बाद मशीनरी, रसायन, प्लास्टिक और इंजीनियरिंग उत्पादों सहित कई क्षेत्रों में भारतीय निर्यातकों के लिए पोलैंड का बाजार और अधिक खुल जाएगा। वार्ता के दौरान दोनों देशों ने रक्षा, अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर भी

सहमति व्यक्त की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत पोलैंड की कंपनियों को इन क्षेत्रों में सह-विकास और सह-उत्पादन के लिए आमंत्रित करता है। उन्होंने बताया कि उन्नत प्रौद्योगिकियों और रणनीतिक क्षेत्रों में साझेदारी दोनों देशों के लिए दीर्घकालिक लाभ लेकर आ सकती है। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि दोनों नेताओं के बीच क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर भी विस्तृत चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि भारत और पोलैंड दोनों लोकतांत्रिक मूल्यों और कानून के शासन में विश्वास रखते हैं। उन्होंने कहा कि वैश्विक शासन संस्थानों को अधिक प्रभाव और मजबूत बनाने के लिए सुधार आवश्यक है। साथ ही उन्होंने दोहराया कि चाहे यूक्रेन संकट हो या पश्चिम एशिया का संघर्ष, भारत शांति स्थापित करने के हर साक्ष्यक प्रयास का समर्थन करता रहेगा।

बीकानेर हाउस विवाद पर भाजपा: राहुल के बाद अब रेहान वाड़ा के लांच की तैयारी –99 चुनाव हार चुके राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली स्थित बीकानेर हाउस में आयोजित एक आर्ट गैलरी से तस्वीरें हटाने को लेकर शुरू हुआ विवाद अब बड़े राजनीतिक घमासान में बदल चुका है। कांग्रेस द्वारा सेंसरशिप का आरोप लगाने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कड़ा पलटवार कर दिया है । भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस अब गांधी परिवार की नई पीढ़ी, यानी प्रियंका गांधी वाड़ा के बेटे रेहान वाड़ा को राजनीति में लांच करने की पटकथा लिख रही है । बीजेपी प्रवक्ता भाटिया ने तंज कसते हुए कहा कि सोनिया गांधी द्वारा लांच किया गया राहुल गांधी रुपी उत्पाद पहले ही देश भर में फिफल साबित हो चुका है और 99 चुनाव हार चुका है । इसके बाद अब उनकी बेटी प्रियंका गांधी वाड़ा अपने सुपुत्र रेहान वाड़ा को पार्टी के भावी अध्यक्ष के रूप में स्थापित करने के मिशन में जुटी है । उन्होंने कहा कि सत्ता हासिल करने के लिए गांधी परिवार किसी भी हद तक जा सकता है, लेकिन देश में केवल कानून का शासन ही चलेगा । दरअसल यह विवाद अब शुरू हुआ जब प्रियंका गांधी वाड़ा के बेटे और कलाकार रेहान वाड़ा ने आरोप लगाया कि बीकानेर हाउस प्रबंधन ने उनकी कला प्रदर्शनी में शामिल युवाओं के विरोध–प्रदर्शन और निरोध वाली दो तस्वीरों पर आपत्ति जताकर उन्हें हटाने को कहा था । रेहान ने इस कार्रवाई को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला और सेंसरशिप कासार देकर कहा कि सार्वजनिक कला संस्थानों को कलाकारों के अधिकारों के प्रति जिम्मेदार होना चाहिए । उन्होंने किसी राजनीतिक दबाव की संभावना से इंकार नहीं किया, लेकिन साथ ही यह भी माना कि उनके पारिवारिक बैकग्राउंड से उन्हें एक मंच जरूर मिला है । दूसरी ओर, भाजपा ने पूरे घटनाक्रम को एक प्रायोजित राजनीतिक स्टंट पर देकर कहा कि कांग्रेस कला की आड़ में केवल अपने राजनीतिक हितों को साधने और नए पारिवारिक नेतृत्व को लांच करने की तैयारी में जुटी है ।

राहुल गांधी विदेशी संगठनों से मुलाकात और विरोध-प्रदर्शनों की फंडिंग पर जवाब दें : गौरव भाटिया

भाजपा प्रवक्ता ने प्रोग्रेसिव इंटरनेशनल और इंडियन अलायंस पेरिस से संपर्कों पर उठाए सवाल, 10 जनपथ पर हुई मुलाकात का ब्योरा सार्वजनिक करने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने गुरुवार को पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर विदेशी संगठनों के साथ संपर्कों को लेकर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने राहुल गांधी और सोनिया गांधी से प्रोग्रेसिव इंटरनेशनल के प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई मुलाकात, विदेशी संगठनों से कथित संपर्कों तथा विरोध-प्रदर्शनों की फंडिंग के स्रोतों पर जवाब देने की मांग की। भाटिया ने अपने आरोपों के समर्थन में फॉक्स न्यूज की डिजिटल जांच रिपोर्ट का हवाला देते हुए प्रोग्रेसिव इंटरनेशनल और इंडियन अलायंस पेरिस का उल्लेख किया। गौरव भाटिया ने कहा कि लोकतंत्र में विरोध-प्रदर्शन करना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है, लेकिन हिंसा, आतंजनी और संवैधानिक संस्थाओं को नुकसान पहुंचाने की गतिविधियों को लोकतांत्रिक अधिकार नहीं माना जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाकर उन्हें कमजोर करने का प्रयास कर रही है। हालांकि, विदेशी संगठनों के साथ कथित संपर्कों और विरोध-प्रदर्शनों की फंडिंग को लेकर लगाए गए आरोपों पर कांग्रेस का पक्ष सामने आना बाकी है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि फॉक्स न्यूज की डिजिटल जांच रिपोर्ट में नौ देशों में सक्रिय 101 संगठनों के नेटवर्क का उल्लेख किया गया है। उनके अनुसार, रिपोर्ट



में कथित तौर पर ऐसे समूहों की गतिविधियों को रेखांकित किया गया है, जो विरोध-प्रदर्शनों के माध्यम से चुनी हुई सरकारों के खिलाफ माहौल बनाने में सक्रिय रहते हैं। उन्होंने इसे ‘रेड-ग्रीन इकोसिस्टम’ बताते हुए दावा किया कि इस नेटवर्क के कुछ संगठनों के संपर्क भारत में होने वाले विरोध-प्रदर्शनों से जुड़े हैं। उन्होंने इंडियन अलायंस पेरिस पर राहुल गांधी के विरोध-प्रदर्शनों से संबंधित सामग्री प्रसारित करने और उनका समर्थन करने का आरोप भी लगाया। भाटिया ने 28 अप्रैल 2025 को नई दिल्ली स्थित 10 जनपथ पर सोनिया गांधी और राहुल गांधी की प्रोग्रेसिव इंटरनेशनल के प्रतिनिधिमंडल से हुई मुलाकात का उल्लेख किया। उन्होंने कांग्रेस के आधिकारिक एक्स हैंडल पर प्रकाशित तस्वीरों का हवाला देते हुए सवाल किया कि इस मुलाकात में किन मुद्दों पर चर्चा हुई और क्या कांग्रेस तथा प्रोग्रेसिव इंटरनेशनल के बीच कोई

समझौता हुआ है। उन्होंने कहा कि इस मुलाकात का विवरण सार्वजनिक किया जाना चाहिए, ताकि जनता को पूरी जानकारी मिल सके।

भाजपा प्रवक्ता ने अल्बानिया में हुई हिंसक घटनाओं और सर्वोच्च न्यायालय सहित सरकारी संस्थानों पर हमलों से संबंधित सोशल मीडिया पोस्ट का भी जिक्र किया। उन्होंने शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता संजय राउत की पोस्ट पर सवाल उठते हुए आरोप लगाया कि ऐसी टिप्पणियां भारत की संवैधानिक संस्थाओं के प्रति नकारात्मक संदेश देती हैं। उन्होंने कहा कि संसद और सर्वोच्च न्यायालय देश के लोकतांत्रिक ढांचे के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं और इन संस्थाओं का सम्मान बनाए रखना सभी राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी है। भाटिया ने राहुल गांधी की ब्रिटेन के सांसद जेरेमी कॉर्बिन, अमेरिकी सांसद इल्हान उमर और अन्य विदेशी व्यक्तियों से मुलाकातों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि इन मुलाकातों और विदेशी संगठनों के साथ कथित संपर्कों के उद्देश्य स्पष्ट किए जाने चाहिए। उन्होंने चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के साथ कांग्रेस के वर्ष 2008 के कथित पार्टी–स्तरीय समझौते का उल्लेख करते हुए उसके विवरण को भी सार्वजनिक करने की मांग की। साथ ही उन्होंने राहुल गांधी के मार्च 2023 में लंदन दौरे के दौरान दिए गए बयानों का हवाला देकर भारत के आंतरिक मामलों में विदेशी हस्तक्षेप के मुद्दे पर सवाल उठाए।

आने वाले 30 सालों तक देश के प्रधानमंत्री नहीं बनने वाले राहुल गांधी : अमित शाह

-राहुल गांधी पर तंज, मुझे हर छह माह में विदेश जाने की जरूरत नहीं पड़ती

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी पर तीखा जुबानी हमला कर कहा है कि विपक्ष अपनी लगातार हो रही हार को छिपाने के लिए वोट चोरी और ईवीएम में गड़बड़ी का बेबुनियाद बहाना बना रहा है। नई दिल्ली के द्राक्का में यमुना पुनरुद्धार से जुड़ी 8,941 करोड़ की विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास समारोह के दौरान केंद्रीय मंत्री शाह ने स्पष्ट कहा कि देश की जनता अब कांग्रेस की नकारात्मक राजनीति को अच्छी तरह समझ चुकी है और आने वाले अगले 30 सालों तक उसकी केंद्र में सरकार बनने की कोई संभावना नहीं है। केंद्रीय गृह मंत्री ने आंकड़ों का हवाला देकर कांग्रेस के चुनावी इतिहास पर सवाल उछाए। उन्होंने कहा कि विपक्ष यह ध्रम फैला रहा है कि उसकी हार केवल मोदी सरकार के आने के बाद हो रही है, जबकि हकीकत इसके बिल्कुल उल्ट है कि कांग्रेस गुजरात में बीते 41



वर्षों से, उत्तर प्रदेश में 41 वर्षों से, पश्चिम बंगाल में 54 वर्षों से और तमिलनाडु में 64 वर्षों से चुनाव नहीं जीत सकी है। इसके अलावा दिल्ली, असम और अन्य राज्यों में भी वह लंबे समय से सत्ता से बाहर है। बीजेपी के चाणक्य शाह ने तंज कसते हुए कहा कि वे देश की जनता के बीच रहकर उनकी नब्ज समझते हैं, उन्हें हर छह माह में विदेश जाने की जरूरत नहीं पड़ती। इस जनता के भरोसे के आधार पर वे कह रहे हैं कि अगले 30 सालों तक राहुल

गांधी और उनकी पार्टी का नंबर नहीं लगने वाला। विपक्ष के दोहरे रवैये पर निशाना साधकर केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि जब कांग्रेस हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना या केरल में जीत दर्ज करती है, तब चुनाव आयोग और ईवीएम पूरी तरह सही हो जाते हैं, लेकिन जहां भी कांग्रेस को हार मिलती है, वह संवैधानिक संस्थाओं पर आरोप लगाना शुरू कर देती है। यही दोहरा पुरी तरह सही हो जाते हैं, लेकिन जहां भी कांग्रेस को हार मिलती है, वह संवैधानिक संस्थाओं पर आरोप लगाना शुरू कर देती है। यही दोहरा

मापदंड कांग्रेस द्वारा अदालती फैसलों पर भी अपनाया जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि वोट चोरी का राग अलपल कर कांग्रेस असल में घुसपैठियों के फर्जी वोटों को बचाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि ये सभी परियोजनाएं यमुना को पूरी तरह स्वच्छ और प्रदूषणमुक्त बनाने की दिशा में रीढ़ की हड्डी साबित होंगी। उन्होंने जानकारी दी कि दिल्ली में नई व्यवस्था के तहत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बुलाई गई उच्चस्तरीय बैठक में तैयार की गई व्यापक कार्ययोजना का 40 प्रतिशत कार्य पहले ही पूरा किया जा चुका है। पिछली सरकारों की नीतियों पर कड़ा प्रहार करते हुए गृह मंत्री ने आरोप लगाया कि बीते 30 वर्षों के दौरान केवल लापरवाही के कारण नालों और गटर का पानी यमुना में छोड़ा गया। उन्होंने कहा कि रोजाना 2,000 टन गोबर और अन्य राज्यों का दूषित जल नदी में मिलने से इसकी स्थिति बदतर हुई, लेकिन अब यमुनोत्री से लेकर संगम तक नदी के अविरल और निर्मल प्रवाह को सुनिश्चित किया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में दिल्ली के उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संघू, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा, जल मंत्री प्रवेश वर्मा, गृह एवं शिक्षा मंत्री आशीष सूद, मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा, रविंद्र इंद्रजित सिंह और कपिल मिश्रा सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

हालांकि, गोविंदपुरम का एक्यूआई 74 दर्ज किया गया है, जो कि संतोषजनक श्रेणी में है, लेकिन बाकी इलाकों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। तापमान में गिरावट और हवा की गति धीमी होने के कारण प्रदूषक तत्व वातावरण में जमा हो रहे हैं। ग्रेप के पहले चरण के तहत उठाए गए कदमों का असर अभी जमीनी स्तर पर कितना देखने को मिलेगा यह कुछ दिनों में ही पता चलेगा। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक इस बढ़ते प्रदूषण के कारण सांस संबंधी बीमारियां, आंखों में जलन और त्वचा संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं।

नई दिल्ली , एजेंसी। दिल्ली–एनसीआर में मौसम का हाल बेहाल होता जा रहा है। लगातार नीचे गिरते न्यूनतम तापमान और हवा की रफ्तार में आई कमी से प्रदूषण बढ़ता जा रहा है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक इस हफ्ते न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की उम्मीद है। तापमान में यह गिरावट एक्यूआई को और ज्यादा खराब कर रही है। हालांकि ग्रेप का पहला चरण लागू कर दिया गया है, लेकिन इसके बावजूद हवा की गुणवत्ता में कोई खास सुधार देखने को नहीं मिल रहा है, हवा लगातार जहरीली होती जा

रही है। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक 23 अक्टूबर को तापमान 32 डिग्री और 18 डिग्री के बीच रहेगा। 24 अक्टूबर से आसमान में आंशिक बादल छाएंगे और तापमान 33 डिग्री तक जा सकता है, लेकिन 27 अक्टूबर तक न्यूनतम तापमान लुढ़ककर 17 डिग्री तक पहुंच जाएगा। दिल्ली के कई इलाकों में प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। डीपीसीसी के आंकड़ों पर नजर डालें तो कई इलाके खराब

से बहुत खराब श्रेणी में हैं। चांदनी चौक में एक्यूआई 306 दर्ज किया गया है, जो कि बहुत खराब श्रेणी में आता है। बवना में एक्यूआई 274, आनंद विहार में 236, अशोक विहार में 223, बुराड़ी क्रॉसिंग में 226 और आया नगर में 214 दर्ज किया गया है। बदरपुर में एक्यूआई 141 है, जो कि मध्यम श्रेणी में है। दिल्ली के कई हिस्सों में पीएम 2.5 और पीएम 10 के स्तर में भारी उछाल

देखा जा रहा है। ताजा आंकड़ों में पीएम10 का स्तर 281 और पीएम2.5 का स्तर 181 तक पहुंच चुका है। गाजियाबाद के सात सफाई स्टेशनों के आंकड़े भी चौंकाने वाले हैं। यहां वसुंधरा में एक्यूआई 316 और इंदिरापुरम में 312 दर्ज किया गया है, जो कि बहुत खराब श्रेणी में आता है। संजय नगर में 295, वेव सिटी में 238, लोनी में 175 और वेद विहार–लोनी में 154 एक्यूआई दर्ज किया गया है।

संपादकीय

राष्ट्रीय एकता के स्रूप

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के स्थापना दिवस पर होने वाले बहुचर्चित दशहरा संबोधन में संघ प्रमुख ने कहा कि हम सुनिश्चित करें कि हमारी समस्याओं का समाधान विरोध-प्रदर्शनों के बजाय समाज के भीतर से निकले। साथ ही कहा कि भारत को तोड़ने की कोशिशें सफल नहीं होंगी। यह अतार्किक है कि सत्ता बदलने से परिस्थितियां बदल जाएंगी। अतीत में भी ऐसा नहीं हुआ और भविष्य में भी न होगा। दरअसल, देश में मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ एसआईआर में कथित अपारदर्शिता को लेकर हुए विरोध प्रदर्शनों और बाद में ‘रिजीम चेंज’ के बयानों के आलोक में भागवत ने ये टिप्पणी की। साथ ही यह भी कहा कि हाल के वर्षों में देश ने तमाम विषम-परिस्थितियों के बावजूद जो आशातीत प्रगति की है,उसे बाधित न कर पाने वाली विदेशी ताकतें हमारी एकता को तोड़ने की कोशिशें कर रही हैं। उनका मानना था कि जब विरोध-प्रदर्शनों की तपिश पर राजनीतिक दल रोटियां सेंकने लगते हैं तो आंदोलन का प्रयोग अराजकता व सार्वजनिक व्यवस्था को भंग करने में होता है। देश को विकसित राष्ट्र बनने के मार्ग से भटकाने वाली विदेशी ताकतों से नागरिकों को सतर्क रहने की जरूरत है। भागवत ने कहा कि पश्चिम से उठा एक तूफान- संस्कृति, व्यवस्था व सुरक्षा आदि को नष्ट करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने इस बाबत फ्रांस, बांग्लादेश और नेपाल आदि के उदाहरण देकर, इन देशों में हुए आंदोलनों के निहितार्थों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत में भी कुछ लोग ऐसी ही ताकतों का समर्थन करते नजर आते हैं। जिसके मूल में सत्ता हासिल करने की लालसा भी है। भागवत ने परतंत्र भारत में ‘वंदे मातरम’ को गंगाल की एकता के पर्याय के रूप में दर्शाया। उन्होंने कहा कि जब लॉर्ड कर्जन ने बंगाल को धार्मिक आधार पर विभाजित करने का प्रयास किया तो समाज ने इसका दृढ़ता से विरोध किया। मजबूरन ब्रिटिश सरकार को अपना निर्णय बदलना पड़ा।

विडंबना यह रही कि देश की आजादी के समय ऐसा न हो सका क्योंकि लोग नफरत में उलझ गए और राष्ट्रीय एकता को भूल गए। अंग्रेजों ने लोगों में यह धारणा बैठ दी कि हम अलग दिखते हैं, अतः हकीकत में भी अलग और एक-दूसरे से दूर होने चाहिए। दरअसल, सांप्रदायिक और चरमपंथी विचारधाराओं का प्रभाव लोगों पर पड़ा। राजनीतिक वर्चस्व की लालसा और कुछ लोगों की स्वार्थपूर्ति के चलते हमने राष्ट्रीय एकता के सिद्धांतों का त्याग कर दिया। तुष्टीकरण की सोच के चलते राष्ट्र का विभाजन हुआ। दरअसल, भागवत की टिप्पणी उन बयानों के जवाब में थी, जिसमें एसआईआर में अनियमितताओं के विरोध में उपजे आंदोलन को सत्ता परिवर्तन की लड़ाई बताया जा रहा था। संघ प्रमुख ने विकास से उपजी चुनौतियों पर भी दृष्टिपात किया। उन्होंने कहा कि विकास मनुष्य के लिए प्रतिकूल परिणाम पैदा करने वाला नहीं होना चाहिए। उनका इशारा विकास और पर्यावरण असंतुलन के कारण नेपाल में आई भयावह जलप्रलय की ओर था। उन्होंने भारत, चीन व नेपाल में विस्तृत हिमालय पर अनियोजित व पर्यावरण विरोधी विकास के खतरों के प्रति चेताया। साथ ही कहा कि विकास की कीमत लोगों को जान देकर नहीं चुकानी चाहिए। उन्होंने कहा कि विज्ञान व तकनीक की प्रगति से किसी को परहेज नहीं होना चाहिए लेकिन यह विकास पर्यावरण और नैतिकता की अनदेखी न करे। साथ ही उन्होंने भारत की धार्मिक, भाषायी और खानपान की विविधता को अक्षुण्ण रखने पर भी बल दिया। दूसरी ओर आम नागरिकों की चिंता के साथ ही भागवत भी विदेशी शक्तियों द्वारा डिजिटल प्लेटफॉर्म पर संचालित सोशल मीडिया के खतरों के प्रति सचेत दिखे।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552



उमेश चतुर्वेदी

बांग्ला संस्कृति का मूल स्वर सहिष्णुता, उदारता और समन्वय का रहा है। औसतवीं सदी में बंगाल की धरती ने नवजागरण का स्वागत किया, जिसके मूल में ईश्वरचंद्र विद्यासागर और स्वामी विवेकानंद के विचार रहे। इस समन्वय की संस्कृति का ही असर रहा कि बंगाल की ही धरती से ना सिर्फ हिंदी पत्रकारिता का उद्भव हुआ, बल्कि उसकी जड़ें मजबूत भी हुईं। लेकिन वही बंगाल बदल गया है। बांग्ला संस्कृति समन्वय के सूत्रों को कहीं पीछे छोड़ती नजर आने लगी है। अगर ऐसा नहीं होता तो कोलकाता नगर निगम के उस पोस्टर पर विवाद नहीं होता, जिसमें बांग्ला और हिंदी भाषा के शब्दों का अनूठा और कलात्मक संगम था। बांग्ला संस्कृति के प्रतीक पर्व दुर्गा पूजा के दौर में भाषायी सौंदर्य और कला के अनूठे मेल पर राजनीति ने जब सवाल उठाया तो कोलकाता नगर निगम ने अपना पोस्टर ही वापस ले लिया। शायद निगम ने सोचा होगा कि उत्साह और उल्लस का स्वाद

क्या यह सरकार की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय करने का समय है?



डॉ योगेन्द्र श्रीवास्तव

फिलहाल सिर्फ भारत में नहीं सारी दुनिया में सरकारों के खिलाफ आम आदमी का असंतोष सड़कों पर दिखाई दे रहा है। सबसे ज्यादा उथल पुथल दक्षिण पश्चिमी यूरोप में हो रही है जहां फ्रांस, स्पेन, पुर्तगाल, बेल्जियम, इटली, अल्बानिया आदि में अलग अलग मुद्दों पर प्रदर्शन चल रहे हैं। अगर फ्रांस और इटली में स्कूलों की बढहाली से नाराजगी है तो स्पेन और पुर्तगाल के नागरिक बढ़ते

जन-केन्द्रित विकास से वैश्विक सहयोग की नई दिशा तय करेगा 12वाँ ब्रिक्स संसदीय मंच

भारत की अध्यक्षता में 26-27 अक्तूबर को नई दिल्ली में जुटेगे वैश्विक संसदीय नेता; संस्थागत सुदृढ़ता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल परिवर्तन, वैश्विक शासन सुधार और सतत विकास पर होगा

महामंथन...

नई दिल्ली।वैश्विक राजनीति, आर्थिक सहयोग और तकनीकी परिवर्तन के मौजूदा दौर में संसदों की भूमिका केवल कानून बनाने तक सीमित नहीं रह गई है। लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती, नागरिकों की आकांक्षाओं की पूर्ति, विकास की प्रक्रिया में जनभागीदारी और अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों के समाधान में संसदीय संवाद का महत्व लगातार बढ़ रहा है। ऐसे समय में भारत की अध्यक्षता में 26 और 27 अक्तूबर 2026 को नई दिल्ली में आयोजित होने वाला 12वाँ ब्रिक्स संसदीय मंच विशेष महत्व रखता है। संसद भवन परिसर स्थित सचिवालय सदन के केंद्रीय कक्ष में आयोजित इस सम्मेलन में ब्रिक्स सदस्य देशों और भागीदार देशों के संसदीय नेता जन-केन्द्रित विकास के लिए संसदों को सशक्त बनाने के विषय पर विचार-विमर्श करेंगे। सम्मेलन का उद्घाटन 26 अक्तूबर को होगा और इसका समापन 27 अक्तूबर को किया जाएगा।लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने 22 अक्तूबर को संसद भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में सम्मेलन की रूपरेखा और प्रमुख विषयों की जानकारी देते हुए इसे भारत के संसदीय राजनय के इतिहास में एक नया अध्याय बताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे और आगंतुक शिष्टमंडलों के नेताओं से भेंट करेंगे। सम्मेलन में विभिन्न देशों के पीठासीन अधिकारियों, संसदीय नेताओं, संसद सदस्यों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की भागीदारी से लोकतांत्रिक संस्थाओं के बीच संवाद को नई गति मिलने की उम्मीद है। इसमें केंद्रीय मंत्रियों, राज्य सभा के उपसभापति हरिवंश तथा राज्य विधानमंडलों के पीठासीन अधिकारियों की सहभागिता भी प्रस्तावित है।ब्रिक्स संसदीय मंच का महत्व इस तथ्य में निहित है कि यह विभिन्न देशों की संसदों को साझा चुनौतियों पर विचार करने, अनुभवों का आदान-प्रदान करने और सहयोग की संभावनाएँ तलाशने का अवसर प्रदान करता है। भारत की मेजबानी में होने वाला यह सम्मेलन ऐसे समय आयोजित किया जा रहा है, जब दुनिया तकनीकी क्रांति, आर्थिक अनिश्चितताओं, पर्यावरणीय चुनौतियों और वैश्विक शासन व्यवस्था को अधिक प्रतिनिधिक बनाने की आवश्यकता जैसे अनेक प्रश्नों से जूझ रही है। इन परिस्थितियों में संसदों के बीच नियमित संवाद केवल औपचारिक कूटनीति का हिस्सा नहीं, बल्कि जनहित से जुड़े मुद्दों पर साझा दृष्टिकोण विकसित करने का माध्यम भी बन सकता है।

जन-केन्द्रित विकास सम्मेलन का मूल आधार ->12वें ब्रिक्स संसदीय मंच का मुख्य विषय 'जन-केन्द्रित विकास के लिए संसदों को सशक्त बनाना' अपने आप में व्यापक अर्थ रखता है। विकास का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होता है, जब उसका लाभ समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुँचे और नागरिकों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन दिखाई दे। आर्थिक प्रगति के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, डिजिटल सुविधाओं और समान अवसरों की उपलब्धता विकास की कसौटी है। इस प्रक्रिया में संसदों की जिम्मेदारी नीतियों पर विचार-विमर्श करने, कानून बनाने, सरकारों की जवाबदेही सुनिश्चित करने और जनहित के प्रश्नों को लोकतांत्रिक विमर्श के केंद्र में रखने की है।

संसद जनता की आकांक्षाओं और शासन व्यवस्था के बीच महत्वपूर्ण सेतु होती है। विभिन्न देशों की सामाजिक, आर्थिक

राजनीतिक कंकड़ से खराब ना हो।

जिस पोस्टर पर विवाद हुआ, उसके बारे में जानना जरूरी है। यह भी जानना जरूरी है कि आखिर उसमें क्या रहा, जिससे पश्चिम बंगाल का विपक्षी दल तृणमूल कांग्रेस परेशान हो गया। दरअसल दुर्गा पूजा के दौरान दस से 21 अक्टूबर तक कोलकाता नगर निगम ने देश की पूर्व राजधानी वाले शहर में चलाए जा रहे सफाई अभियान के लिए एक विशेष पोस्टर जारी किया था। जिसमें लिखा था, %मायेर कोरबो स्वच्छता से स्वागत% यानी मां दुर्गा का स्वागत स्वच्छता से करेंगे। जैसा कि शब्दों से पता चलता है, पोस्टर के अकेले वाक्य में बांग्ला और हिंदी शब्दों का अनूठा मेल पेश किया गया। विज्ञापन के भाषा की जिन्हें समझ है, उन्हें पता है कि बांग्ला और हिंदी के इस अनूठे मेल के जरिए जो संदेश दिया गया, वह कितना प्रभावी रह। लेकिन तृणमूल कांग्रेस को इस वाक्य के तीन शब्द 'स्वच्छता से स्वागत' बंगाल में हिंदी थोपने का षडयंत्र नजर आने लगा। वैसे भी राज्य में अब भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। भाजपा की पहचान हिंदुत्व और हिंदी को लेकर रही है। इसलिए तृणमूल के लिए यह आरोप लगाना और उसे भाजपा के हिंदी वर्चस्ववाद के छद्म नैरेटिव से जोड़ना आसान रहा। लेकिन कोलकाता नगर निगम ने राजनीति से किनारा करना उचित समझा और इसे बदलने में उसने देर नहीं लगाई। पोस्टर के वाक्य को पूरी तरह बांग्ला कर दिया, %स्वच्छतार साथे, मां के स्वागत जनाई% कर दिया। बांग्ला के इस वाक्य का भाव वही है, जो पहले वाक्य का रहा। अफसोस यह कि राजनीति की वजह से भाषाई मेल का अनूठापन

गायब हो गया।

संविधान सभा में हिंदी को जितनी चुनौतियों का सामना नहीं करना पड़ा, उससे ज्यादा हिंदी इन दिनों वह चुनौतियों से जूझ रही है। वैसे तो तमिल जैसी क्षेत्रीय राजनीतिक अस्मिताएं हिंदी की राह में रोड़े डालती रही हैं। इसका साथ कभी कर्नाटक तो कभी महाराष्ट्र देता रहा है। यहां गौर करने की बात यह है कि भारतीय राष्ट्रीयता के अंतर्गत कई उपराष्ट्रीयताएं भी हैं, जिसे हम क्षेत्रीय अस्मिताओं के नाम से भी जानते हैं। भारतीय राष्ट्रीयता का मूल स्वर हिंदी के जरिए उद्घाटित होता है। जिसे हम हिंदी हार्टलैंड या हृदय प्रदेश कहते हैं, वहां राष्ट्रीयता पर अपवादस्वरूप ही सवाल उठते हैं। लेकिन उपराष्ट्रीयताएं अक्सर पर हमले के बहाने राष्ट्रीयता को प्रकाश्रंत् से चुनौती देती रहती हैं। तब उनका एक मात्र तर्क यही होता है कि हिंदी थोपी जा रही है। दिलचस्प यह है कि जिस भाषा ने करीब दो सौ साल तक देश को गुलाम बनाए रखा, उसे अपनाने में उपराष्ट्रीयताएं गर्व समझती हैं। संविधान सभा की आखिरी बैठक के दिन सभा के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने खुलेतौर पर स्वीकार किया था कि भाषा की समस्या का ठेस हल सभा नहीं निकाल पायी है। फिर भी उन्हें उम्मीद थी कि आने वाले दिनों में भाषा के मुद्दे पर देश गांधी की तरह सोचेगा। हालांकि महावीर प्रसाद त्यागी को ऐसी उम्मीद नहीं थी। इसीलिए उन्होंने अपने आखिरी भाषण में कहा था कि वे संविधान के पृष्ठे पर गांधीजी को खोज रहे हैं, लेकिन उन्हें गांधी नजर नहीं आए। पता नहीं, तृणमूल कांग्रेस को यह पता है या नहीं, लेकिन उसे जानना चाहिए कि आर्य समाज के प्रमुख

ग्रंथ सत्यार्थ प्रकाश को हिंदी में लिखने के लिए बांग्ला माटी के सपूत केशवचंद्र सेन ने स्वामी दयानंद सरस्वती को प्रेरित किया था। भावी भारत की संपर्क या राष्ट्रभाषा बनने की क्षमता हिंदी में देखने वाले प्राथमिक लोगों में केशवचंद्र सेन भी रहे। कांग्रेस का अध्यक्ष बनने के बाद बंगाल की माटी के क्रांतिकारी सपूत सुभाष चंद्र बोस ने ना सिर्फ हिंदी सीखने के लिए शिक्षक रखा था, बल्कि उन्होंने कोलकाता नगर निगम के अध्यक्ष के नाते पिछली सदी के तीस के दशक में हिंदी को लेकर अर्धपूर्ण भाषण भी दिया था।

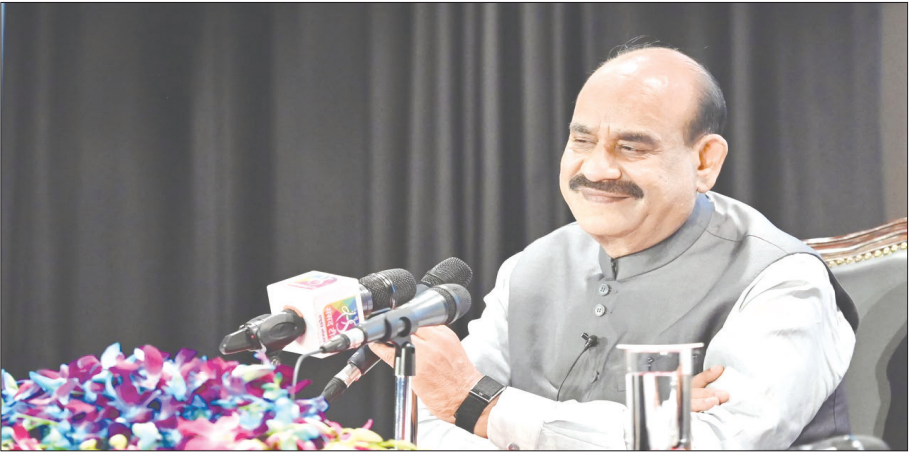
हिंदी पर सवाल कभी-कभी कर्नाटक में भी उठता है और किंचित महाराष्ट्र में भी। लेकिन हिंदी को स्वामीचंता से पहले से ही सबसे बड़ी चुनौती तमिलनाडु में मिलती रही है। हाल ही में तमिलनाडु के कर्कर और कोयंबटूर के सरकारी अस्पतालों में मरीजों को दी जाने वाली दवाओं के पर्चों के कवर पर तमिल और अंग्रेजी के साथ-साथ हिंदी में भी निर्देश छापे गए थे। जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर जारी करते हुए विनोदी द्रमुक पार्टी के नेता टी.आर.बी. राजा ने सवाल उठाया कि क्या तमिलनाडु में चुपचाप %तीन-भाषा नीति% लागू की जा चुकी है। हिंदी की ग्रंथि से प्रभावित तमिलनाडु राजनीति सवाल उठाए तो विवाद होना ही था। जब विवाद बढ़ा तो दोनों सरकारी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों ने मरीजों को दिए जाने वाले त्रिभाषी कवर का वितरण तत्काल रोक दिया और उसकी जगह तमिल और अंग्रेजी लिखी पर्चियां जारी कर दीं। तमिलनाडु में हाल ही में राजमार्ग के साइनबोर्ड पर हिंदी लिखे जाने को लेकर भी विवाद खड़ा किया गया।

क्या यह सरकार की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय करने का समय है?

शिक्षा और नागरिक सुविधाओं में कटौती हुई है जिसका प्रभाव जनता पर ही पड़ा है। इसीलिए लोग अपने टैक्स के पैसों का सही उपयोग देखना चाहते हैं जिससे आम नागरिकों का जीवन बेहतर हो सके। भारत में सरकारों से सीधे ऐसी माँग नहीं कि जाती क्योंकि अभी शिक्षा और जागरूकता का स्तर विकसित देशों जितना नहीं है। लेकिन अभाव, असंतोष और असमानता का ये कठिन समय धीरे धीरे जनमानस को आन्दोलित कर रहा है और सवाल पुछने का दौर शुरू हो गया है। यह हम देख ही रहे हैं कि सोशल मीडिया की गहरी पहुँच मुद्दों को बहुत जल्द सर्वव्यापी बना देती है इसलिए हमारी सरकारों को भी इस चुनौती का सामना जल्द ही करना पड़ेगा। देश में विकास का प्रचार जारी है लेकिन जीडीपी, विदेशी मुद्रा भंडार, व्यापार घाटा आदि जैसे जो आर्थिक आंकड़े बढ़ा चढ़ा कर पेश किये जा रहे हैं वे आम आदमी की समझ के बाहर हैं क्योंकि इस सब तथाकथित उपलब्धियों का आम नागरिकों की जिनगी पर कोई बेहतर फर्क नहीं पड़ा है। वैसे तो किसी भी नागरिक को यह कानूनी अधिकार नहीं कि वो

सरकार से टैक्स के पैसों के बारे में सवाल कर सके। कल्याणकारी राज्य की अवधारणा के चलते कई बार न्यायालय भी यह कह चुके हैं कि सरकार को पूरा अधिकार है कि वह अपने राजस्व और संसाधनों का उपयोग अपनी नीतियों और प्राथमिकताओं के अनुसार कर सके। मगर सरकार की नीतियां कैसी होनी चाहिये, यह महत्वपूर्ण प्रश्न है! आज देश में वोट बैंक के लालच में ऐसी मुफ्तखोरी की योजनाओं की भरमार है जो केन्द्र सरकार के साथ अधिकांश राज्य सरकारों के लिये गले की हड्डी बन चुकी हैं। हालात यह हैं कि सरकारें कर्ज लेकर इस योजनाओं को किसी तरह चलाने पर मजबूर हैं। एक नजरिये से लोक कल्याण के लिये ऐसी नीति का पालन करना उचित है लेकिन यदि सरकार केवल चुनावी लाभ के लिये करे तब यह निस्संदेह अनुचित है। बार बार यह सवाल भी उठया जाता है कि सरकारी खजाने से ये मुफ्तखोरी कब तक चल पाएगी और इसका देश की अर्थव्यवस्था पर क्या दुष्प्रभाव पड़ेगा। और यह भी कि ऐसी मुफ्तखोरी से किस तरह का समाज तैयार किया जा रहा है।

जिन्मदारी और जवाबदेही तय करने का समय है



और राजनीतिक परिस्थितियाँ अलग-अलग हो सकती हैं, लेकिन नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने की आकांक्षा एक साझा उद्देश्य है। इसलिए संसदीय मंच पर जन-केन्द्रित विकास के विषय पर होने वाली चर्चा का महत्व केवल सदस्य देशों तक सीमित नहीं रहेगा। इसके माध्यम से यह समझने का अवसर मिलेगा कि बदलती परिस्थितियों में संसदें किस प्रकार अपनी संस्थागत क्षमता, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व को अधिक प्रभावी बना सकती हैं। संस्थागत सुदृढ़ता से लोकतंत्र को मिलेगी मजबूती ->सम्मेलन के पहले उच्चस्तरीय सत्र में बेहतर भविष्य सुनिश्चित करने के लिए संस्थाओं को सुदृढ़ बनाने में संसदों की भूमिका पर विचार किया जाएगा। लोकतांत्रिक व्यवस्था की विश्वसनीयता उसके संस्थागत ढाँचे, नियमों के पालन, जवाबदेही और नागरिकों के विश्वास पर निर्भर करती है। किसी भी लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है कि उसकी संस्थाएँ बदलती चुनौतियों के बीच अपनी जिम्मेदारियों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करें।

संसदों के सामने आज नीतिगत जटिलताओं, तेजी से बदलते सामाजिक परिवेश और नागरिकों की बढ़ती अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य करने की चुनौती है। ऐसी स्थिति में संसदीय प्रक्रियाओं की गुणवत्ता, जनप्रतिनिधियों की क्षमता और लोकतांत्रिक संवाद को मजबूत बनाना महत्वपूर्ण हो जाता है। विभिन्न देशों के अनुभवों का आदान-प्रदान इन चुनौतियों से निपटने के व्यावहारिक उपाय तलाशने में सहायक हो सकता है। संस्थागत सुदृढ़ता का वास्तविक उद्देश्य केवल व्यवस्थागत सुधार नहीं, बल्कि नागरिकों के प्रति जवाबदेही और जनविश्वास को मजबूत करना भी है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल परिवर्तन पर विशेष ध्यान 12वें ब्रिक्स संसदीय मंच का दूसरा प्रमुख सत्र नवाचार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल प्रौद्योगिकियों के मानव-केन्द्रित उपयोग पर केंद्रित होगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल तकनीक ने शासन, संचार, सूचना के आदान-प्रदान तथा सार्वजनिक सेवाओं के स्वरूप में परिवर्तन की व्यापक संभावनाएँ पैदा की हैं। इन तकनीकों का उपयोग प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल बनाने, सूचनाओं तक पहुँच बढ़ाने और नागरिकों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।हालाँकि, तकनीकी प्रगति के साथ डेटा की सुरक्षा, निजता, पारदर्शिता, जवाबदेही और तकनीक के जिम्मेदार उपयोग से जुड़े प्रश्न भी सामने आते हैं। संसदों की भूमिका इन अवसरों और चुनौतियों के बीच संतुलन स्थापित करने में महत्वपूर्ण है। कानून और नीतियाँ ऐसी होनी चाहिए, जो नवाचार को प्रोत्साहित करने के साथ नागरिकों

के अधिकारों तथा सार्वजनिक हितों की रक्षा भी करें।भारत में डिजिटल परिवर्तन के बढ़ते महत्व को देखते हुए इस विषय पर अंतरराष्ट्रीय संसदीय विमर्श विशेष प्रासंगिकता रखता है। अलग-अलग देशों के अनुभवों से यह समझने में मदद मिल सकती है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग किस प्रकार जनहित में किया जाए और तकनीकी विकास के लाभ व्यापक समाज तक कैसे पहुँचाए जाएँ। मानव-केन्द्रित नवाचार का आशय यही है कि तकनीक का मूल्यकन केवल उसकी क्षमता से नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन में उसके वास्तविक योगदान से भी किया जाए।

वैश्विक शासन व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता ->सम्मेलन के तीसरे सत्र में संसदीय सहयोग के माध्यम से अधिक प्रतिनिधिक वैश्विक शासन व्यवस्था सुनिश्चित करने पर विचार किया जाएगा। वर्तमान विश्व व्यवस्था में अनेक ऐसे विषय हैं, जिनका प्रभाव किसी एक देश तक सीमित नहीं रहता। आर्थिक सहयोग, तकनीकी बदलाव, पर्यावरणीय संकट और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की कार्यक्षमता जैसे प्रश्नों पर व्यापक संवाद की आवश्यकता है। ऐसे विषयों पर किसी एक देश के प्रयासों के साथ-साथ देशों के बीच सहयोग की अपेक्षाओं होता है।वैश्विक शासन व्यवस्था को अधिक प्रतिनिधिक बनाने का प्रश्न इस बात से जुड़ा है कि अंतरराष्ट्रीय निर्णव प्रक्रिया में विभिन्न देशों की आवाज और उनके हितों को किस प्रकार प्रभावी स्थान मिले। ब्रिक्स जैसे बहुपक्षीय मंच इस संदर्भ में विचारों के आदान-प्रदान और साझा प्राथमिकताओं की पहचान के अवसर उपलब्ध कराते हैं। संसदों के बीच सहयोग से अंतरराष्ट्रीय विषयों को लोकतांत्रिक दृष्टिकोण से समझने और नीतिगत विमर्श को व्यापक बनाने में सहायता मिल सकती है।

भारत की अध्यक्षता में आयोजित सम्मेलन इस बात पर विचार करने का अवसर देगा कि संसदीय कूटनीति वैश्विक संस्थाओं के सुधार, संवाद और सहयोग को आगे बढ़ाने में किस प्रकार योगदान कर सकती है। इसके परिणामों का महत्व केवल बैठकों तक सीमित न रहकर साझा दृष्टिकोण और भविष्य के सहयोग की दिशा तय करने में भी निहित होगा। सतत और समावेशी विकास पर साझा दृष्टिकोण ->चौथा उच्चस्तरीय सत्र सतत एवं समावेशी भविष्य के निर्माण में संसदों की भूमिका पर केंद्रित रहेगा। विकास की निरंतरता के लिए आर्थिक प्रगति के साथ सामाजिक समावेशन और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के बीच संतुलन आवश्यक है। आज लिए जाने वाले नीतिगत निर्णयों का प्रभाव आने वाली पीढ़ियों पर भी पड़ता है। इसलिए विकास की ऐसी अवधारणा को महत्व देना आवश्यक है, जिसमें वर्तमान आवश्यकताओं की



रेखा, राजवंती, मधु, आशा देवी,
परिमता, सुमन देवी, अखिलेश
ल्यगी, कुशल ल्यगी, आसमा,
रुखसाना, शबनम, विशेष, उर्मिला,
कुसुम, रीना, सांता, मनीषा, कंचन,
दुषुधर, सरला, कांता, नीरू मोदी,
लोलावती, केशव, कृष्णा, लता,
मनजीत, मोमज, प्रवीन, वीरवती,
ज्योति, प्रीति, इरम, मिथिलेश,
अर्चना, लक्ष्मी और रंजिता सहित
बड़ी संख्या में आशा कार्यकर्ता
मौजूद थीं। उन्होंने चेलावती दी कि
मैं पुरी न होने तक संघर्ष जारी
रहेगा।

उधार के रुपये मांगने पर चाकू से हमला करने का आरोपी गिरफ्तार

बहजोई/संभल (सब का सपना):– जनपद के थाना कोतवाली संभल पुलिस ने उधार के रुपये मांगने पर गाली-गलौज करने और विरोध करने पर चाकू से जानलेवा हमला करने के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को गुरुवार को चंदौसी-मुरादाबाद बाईपास पर बने सरकारी ट्यूबवेल के पास से गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, ग्राम चिमचायवली निवासी गुलफाम पुत्र इंदरीश ने पुलिस को तहरीर देकर बताया था



कि उसके भाई ने आरोपी से उधार दिए रुपये वापस मांगे थे। इसी बात

को लेकर आरोपी ने गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपी

ने जान से मारने की नीयत से उसके भाई पर चाकू से हमला कर दिया। मामले में थाना कोतवाली संभल पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था।

गुरुवार को पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए वांछित अभियुक्त साऊद पुत्र शाहिद, उम्र करीब 22 वर्ष, को चंदौसी-मुरादाबाद बाईपास स्थित सरकारी ट्यूबवेल के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई कर रही है।

पंचकुंडीय यज्ञ के साथ विशाल भंडारे का आयोजन

विशाल भंडारे में विशिष्ट जनप्रतिनिधियों एवं भक्तों की आमद से गुलजार रहा दुर्गा पूजा प्रांगण



अमौली/फतेहपुर (सब का सपना):– मां दुर्गा पूजा कमेटी अमौली के तत्वाधान में चल रही 21वीं दुर्गा पूजा एवं मां भगवती के भव्य श्रृंगार कार्यक्रम के अंतर्गत पंचकुंडीय यज्ञ तथा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। सबसे पहले कमेटी के मुख्य यजमान ब्रजेंद्र तिवारी एवं श्रीमती प्रतिमा तिवारी ने समस्त सहयोगियों के साथ आचार्य पंडित अविनाश मिश्रा के नेतृत्व में मां के श्रीचरणों में सप्तशती मंत्रों से

आहुतियां दीं और विश्व कल्याण के लिए 101 विशेष आहुतियां प्रदान कीं। इसके बाद महामंत्री उमेश त्रिवेदी एवं कमेटी के शारदा मंडल की महिलाओं ने शुभा मिश्रा, आरती त्रिवेदी, शिखा ओमर और अंजना ओमर के नेतृत्व में कन्या पूजन किया। कन्याओं को चुनरी पहनाकर भोजन कराया गया और स्टेशनरी व उपहार वितरित किए गए। इस दौरान मिशन शक्ति की संकल्पना के बारे में भी बताया गया। भंडारे में क्षेत्रीय



लोगों के साथ सुदूर क्षेत्रों से आए हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। वहीं सांस्कृतिक मंच पर शारदा मंडल की महिला सदस्यों द्वारा नारी सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण एवं जल संरक्षण पर कार्यक्रम आयोजित कर समाजसेवियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिक्षिका शुभा देवी ने कहा कि नारी बहू है, बेटी है, मां है, पालनहार है और आवश्यकता पड़ने पर उसे दुर्गा और काली भी बनना पड़ता है। इसलिए बेटियों को

बचाने के साथ-साथ उन्हें शिक्षित कर सबल और सक्षम बनाना जरूरी है। संस्था के मंत्री उमेश त्रिवेदी ने सहयोग के लिए आम जनमानस का आभार जताया। इस अवसर पर मुकेश ओमर, रवि ओमर, अरुण कुमार मिश्रा, अखिलेश ओमर, रजत प्रताप सिंह, दिनेशचंद ओमर, दयाशंकर त्रिवेदी, सुरेंद्र तिवारी, राजाराम ओमर, रिभु मिश्रा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व्यवस्था संभाले रहे।

मूर्ति विसर्जन के दौरान मारपीट, 19 नामजद समेत अज्ञात पर मुकदमा

शांति भंग करने के आरोप में 12 लोगों पर निरोधात्मक कार्रवाई

फतेहपुर (सब का सपना):– सुल्तानपुर घोष थाना क्षेत्र के कमेपुर गांव के मजरे बरहापार में मूर्ति विसर्जन जुलूस के दौरान गुलाल डालने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद के बाद मारपीट हो गई। घटना में पांच लोग घायल हो गए। पुलिस ने मामले में 19 नामजद और अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। वहीं, शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए 12 लोगों के खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई की गई है। पुलिस के अनुसार, घटना 20 अक्टूबर की है। बरहापार और मेहदौली के लोगों के बीच मूर्ति विसर्जन जुलूस के दौरान गुलाल



डालने को लेकर विवाद हुआ था, जो मारपीट में बदल गया। घटना में बरहापार के पांच लोग घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजकर उनका चिकित्सकीय परीक्षण

कराया। मामले में संदीप पुत्र मूलचंद निवासी कमेपुर, मजरा बरहापार की तहरीर पर सुल्तानपुर घोष थाने में मुकदमा संख्या 140/2026 दर्ज किया गया है। इसमें भारतीय न्याय

संहिता की धाराओं 191(2), 191(3), 115(2) और 352 के तहत 19 नामजद तथा अन्य अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया है। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए 21 और 22 अक्टूबर को कुल 12 लोगों के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धाराओं 170, 126 और 135 के तहत निरोधात्मक कार्रवाई की गई। पुलिस के मुताबिक, क्षेत्र में सतर्कता बरती जा रही है और मामले में साक्ष्य संकलन के साथ आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

श्यामू पाल का कथित अवैध क्लीनिक सौज, दो क्लीनिकों पर कार्रवाई

फतेहपुर (सब का सपना):– जिले के विजयीपुर विकास खंड क्षेत्र के अंतर्गत थूर्यानी गांव में संचालित श्यामू पाल के कथित अवैध क्लीनिक पर स्वास्थ्य विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। विभागीय टीम ने क्लीनिक को सीज कर दिया है। इस कार्रवाई के दौरान क्षेत्र में दो क्लीनिक सीज किए जाने की जानकारी सामने आई है। बताया जा रहा है कि संबंधित क्लीनिक बिना आवश्यक पंजीकरण और मानकों के संचालित हो रहा था। स्वास्थ्य विभाग की इस कार्रवाई को अवैध



के संचालित हो रहा था। स्वास्थ्य विभाग की इस कार्रवाई को अवैध

रूप से चल रहे चिकित्सा केंद्रों की जांच की दिशा में अहम कदम माना

जा रहा है। हालांकि क्लीनिक के पंजीकरण, संचालन संबंधी अनियमितताओं और सीज की कार्रवाई के विस्तृत कारणों की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मौके पर जांच कर आवश्यक कार्रवाई की। विभाग को इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में हड़कंध मचा हुआ है। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि क्षेत्र में संचालित अन्य संदिग्ध क्लीनिकों की भी जांच कर कार्रवाई की जाए।

डीजे की आवाज कम करने को लेकर विवाद, गर्भवती महिला के पेट में मारी लात, तीन गिरफ्तार

फतेहपुर (सब का सपना):– खागा कोतवाली क्षेत्र के रामनगर मजरे पाभीपुर में डीजे की तेज आवाज कम करने को लेकर हुए विवाद में सात माह की गर्भवती महिला के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि बीच-बचाव करने पहुंची महिला के पेट में लात मार दी गई, जिससे वह बेहोश हो गई। पुलिस ने मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर निरोधात्मक कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार, घटना 20 अक्टूबर की रात की है। 21 अक्टूबर को पोंडित पक्ष की ओर से थाने में दी गई तहरीर में आरोप लगाया गया कि डीजे की आवाज कम करने को लेकर अमन, पंकज और राधेश्याम ने गाली-गलौज करते



हुए मारपीट की। बीच-बचाव करने आई वादी की सात माह की गर्भवती पत्नी के पेट में भी लात मार दी गई, जिससे वह बेहोश हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने घायल महिला को एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हरदो भेजा। वहां

प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल फतेहपुर रेफर कर दिया गया। तहरीर के आधार पर खागा थाने में मुकदमा संख्या 470/2026 दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 115(2), 352 और 110 के

तहत कार्रवाई शुरू की गई। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धाराओं 170, 126 और 135 के तहत निरोधात्मक कार्रवाई की। गिरफ्तार आरोपियों में अमन पुत्र श्याम राज (24), पंकज पुत्र राधेश्याम (23) और राधेश्याम पुत्र राम बहादुर (50), निवासी रामनगर मजरे पाभीपुर, थाना खागा शामिल हैं। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक किशन कुमार, हेड कांस्टेबल दयाराम निषाद और कांस्टेबल अखिलेश यादव शामिल रहे।

समाजसेवी नाजिर खान को श्री आदर्श रामलीला कमेटी ने किया सम्मानित

हर धर्म का सम्मान करना और जरूरतमंदों की मदद करना ही सच्ची समाज सेवा :- नाजिर खान

सम्भल (सब का सपना):– जनपद में अपनी समाजसेवा और आपसी भाईचारे के लिए पहचान रखने वाले समाजसेवी नाजिर खान को श्री आदर्श रामलीला कमेटी की ओर से हयातनगर में सम्मानित किया गया। कमेटी द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी आयोजित कार्यक्रम में कमेटी के सदस्यों ने नाजिर खान को सम्मान देकर उनके सामाजिक कार्यों की सराहना की। इस दौरान कमेटी के सदस्यों ने कहा कि नाजिर खान हमेशा समाज के लोगों के सुख-दुख में साथ खड़े रहते हैं। वह सभी धर्मों का सम्मान करते हैं और हर व्यक्ति को समान नजरिए से देखते हैं। समाज में होने वाले विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक आयोजनों में



वह बड़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। जब भी समाज को उनकी जरूरत पड़ी, उन्होंने तन-मन-धन से सहयोग कर अपनी जिम्मेदारी निभाई है। उनके इसी सेवाभाव और मिलनसार व्यक्तित्व के कारण समाज में उनकी अलग पहचान है। कमेटी के सदस्यों

ने कहा कि नाजिर खान का जीवन आपसी प्रेम, सद्भाव और भाईचारे की मिसाल है। वह बिना किसी भेदभाव के लोगों की मदद करने के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। उनके प्रयासों से समाज में एकता और आपसी सौहार्द को बढ़ावा मिलता

पराली जलाने पर लगेगा 5 से 30 हजार रुपये तक जुमाना, सेटेलाइट से हो रही निगरानी

पराली जलाने की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए प्रशासन सख्त, किसानों को जागरूक करने के निर्देश

बहजोई/संभल (सब का सपना):–

जनपद में फसल अवशेष (पराली) जलाने की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन ने निगरानी तेज कर दी है। जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के निर्देशन में किसानों को जागरूक करने के साथ ही पराली जलाने की घटनाओं पर नजर रखी जा रही है। शासन की ओर से 15 सितंबर से सेटेलाइट के माध्यम से पराली जलाने की घटनाओं की निगरानी की जा रही है, ताकि खेतों में फसल अवशेष जलाने की जानकारी मिलते ही संबंधित मामलों में प्रभावी कार्रवाई की जा सके। उप कृषि निदेशक अरुण कुमार त्रिपाठी ने बताया कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के निर्देशों और पर्यावरण संरक्षण संबंधी प्रावधानों के तहत पराली जलाने पर जुमाना लगाने का प्रावधान है। इसके अंतर्गत दो एकड़



से कम क्षेत्र में पराली जलाने पर पांच हजार रुपये, दो से पांच एकड़ तक दस हजार रुपये तथा पांच एकड़ से अधिक क्षेत्र में पराली जलाने पर प्रति घटना 30 हजार रुपये तक जुमाना लगाया जा सकता है। इसके अलावा पराली जलाने वाले संबंधित किसानों को विभिन्न विभागीय योजनाओं के लाभ से भी वंचित किया जा सकता है। उन्होंने जनपद के सभी किसानों

से अपील की कि वे फसल अवशेषों को खेतों में न जलाएं। पराली जलाने से पर्यावरण प्रदूषित होता है और भूमि की उर्वरा शक्ति पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसके बजाय किसान फसल अवशेषों को खेत में ही पलटकर जुताई करें, जिससे वे सड़कर कम्पोस्ट खाद में बदल सकें। इससे मिट्टी में कार्बन की मात्रा बढ़ेगी और भूमि की उर्वरा शक्ति में सुधार

ओवरलोडिंग और अवैध पायदान पर पुलिस सख्त, वाहन चालकों के काटे चालान

संभल (सब का सपना):– जनपद में गुरुवार को पुलिस अधीक्षक विकास चन्द्र त्रिपाठी के निर्देशन में यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए यातायात पुलिस एवं प्रवर्तन टीमों ने प्रमुख चौराहों, मुख्य मार्गों और महत्वपूर्ण स्थानों पर सवन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान ओवरलोड वाहनों, निर्धारित क्षमता से अधिक सवारियां बैठाकर चलने वाले वाहनों और बिना वैध परमिट एवं आवश्यक दस्तावेजों के संचालित वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की गई। इसके साथ ही टैम्पो और ई-रिक्शाओं में लगे अवैध पायदान भी हटवाए गए। चेकिंग अभियान के



दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर कार्रवाई करते हुए कुल 262 चालान किए गए तथा 5,01,500 रुपये का जुमाना लगाया गया। वहीं, ऑटो और ई-रिक्शाओं से 16 अवैध पायदान हटवाए गए। पुलिस ने वाहन

चालकों को यातायात नियमों का पालन करने और निर्धारित क्षमता के अनुसार ही सवारियां बैठाने के निर्देश दिए। सम्भल पुलिस ने आमजन और वाहन चालकों से अपील की कि वाहन चलाते समय तेज गति से बचें, दोपहिया वाहन पर हेलमेट और

शिक्षक निर्वाचन के लिए पोलिंग पार्टियों की ब्रीफिंग सम्पन्न जिलाधिकारी ने पोलिंग पार्टियों को दिए निर्देश

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):–

बरेली-मुरादाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन के तहत 23 अक्टूबर को मतदान होगा। जनपद सम्भल में 3499 मतदाता मतधिकारी का प्रयोग करेंगे। जनपद में सात मतदेय स्थल निर्धारित किए गए हैं। 1 रैंडमाइजेशन एनआईसी बहजोई में जिलाधिकारी और जिला निर्वाचन अधिकारी अंकित खंडेलवाल की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट और जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व तथा उप जिला निर्वाचन अधिकारी सत्यप्रिय सिंह भी उपस्थित रहे। अर्थस्थियों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। मतदेय स्थल संख्या 99 विकासखंड कार्यालय मनौटा असमौली कक्ष-11। मतदेय स्थल संख्या 100 तहसील कार्यालय सम्भल कक्ष-11। मतदेय स्थल संख्या 101 विकासखंड कार्यालय बहजोई कक्ष-11। मतदेय स्थल संख्या 102 तहसील कार्यालय चन्दौसी कक्ष-11। मतदेय स्थल संख्या 103 विकासखंड कार्यालय बहजोई कक्ष-11। मतदेय स्थल संख्या 104 विकासखंड कार्यालय रउपुरा कक्ष-11। मतदेय स्थल संख्या 105 विकासखंड कार्यालय गुनौरी कक्ष-



1 रैंडमाइजेशन के बाद जिलाधिकारी ने पोलिंग पार्टियों की रवानगी व्यवस्था का निरीक्षण किया। टेबल संख्या 1 2 और 3 पर मतपत्र महत्वपूर्ण निर्वाचन सामग्री लेखन सामग्री प्रपत्र फिट और मतपेटिकाओं के वितरण की व्यवस्था देखी। संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट सभागार में पीठासीन अधिकारियों मतदान अधिकारी प्रथम द्वितीय और तृतीय तथा सेक्टर मजिस्ट्रेटों की ब्रीफिंग हुई। जिलाधिकारी ने सभी मतदान कार्मिकों को एसओपी के अनुसार दायित्व निर्वहन के निर्देश दिए। ब्रीफिंग के बाद पोलिंग पार्टियों को आवश्यक निर्वाचन सामग्री के साथ सात मतदेय स्थलों के लिए रवाना

किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि चन्दौसी मतदेय स्थल पर मतदाताओं की संख्या अधिक है। वहां एक अतिरिक्त कार्मिक तैनात किया गया है। किसी भी समस्या पर तत्काल उच्चाधिकारियों को सूचित किया जाए। मतदाता सूची या अभिलेखों में त्रुटि होने पर नियमानुसार जांच की जाए। किसी पात्र मतदाता को मतदान अधिकार से वंचित न किया जाए। पीठासीन अधिकारियों को दी गई डायरी और सभी निर्वाचन अभिलेखों को निर्धारित प्रारूप में सही ढंग से भरने के निर्देश दिए गए। मतदान के बाद सभी प्रपत्रों की जांच कर जमा करने को कहा गया। मतदान सामग्री प्राप्त करते समय प्रत्येक सामग्री का मिलान करने और कमी होने पर

है। सम्मान प्राप्त करने के बाद समाजसेवी नाजिर खान ने कहा कि हमें हर धर्म का सम्मान करना चाहिए और सभी लोगों के साथ प्रेम, भाईचारे तथा समानता का व्यवहार करना चाहिए। समाज की असली ताकत आपसी एकता और सद्भाव में है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों की मदद करना और समाज के हित में कार्य करना प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। सभी को मिल-जुलकर समाज में शांति, प्रेम और भाईचारा बनाए रखने के लिए प्रयास करना चाहिए। इस अवसर पर श्री आदर्श रामलीला कमेटी के सदस्यों ने नाजिर खान के सामाजिक योगदान की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

होगा। उप कृषि निदेशक ने बताया कि फसल अवशेषों को जल्दी सड़ाने के लिए खेत में पानी भरकर यूरिया का छिड़काव भी किया जा सकता है। यदि किसी किसान के पास पराली अधिक मात्रा में उपलब्ध है, तो उसे जलाने के बजाय नजदीकी गोशाला तक पहुंचाया जा सकता है। वहां पराली का इस्तेमाल गोवंश के चारे और बिछावन के रूप में किया जा सकता है।

उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों और क्षेत्रीय कर्मचारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में व्यापक प्रचार-प्रसार कर किसानों को पराली न जलाने के प्रति जागरूक करें। प्रशासन का उद्देश्य पराली जलाने की घटनाओं पर अंकुश लगाना, पर्यावरण को प्रदूषण से बचाना और किसानों को फसल अवशेषों के उचित प्रबंधन के लिए प्रोत्साहित करना है।

चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें। साथ ही वाहन के सभी आवश्यक दस्तावेज और वैध परमिट साथ रखें। पुलिस ने स्पष्ट किया कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने से वाहन चालक के साथ-साथ अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं की जान भी खतरे में पड़ सकती है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और यातायात व्यवस्था को सुरक्षित एवं सुचारु बनाए रखने के लिए ओवरलोडिंग, बिना वैध दस्तावेजों के वाहन संचालन और अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन के विरुद्ध चेकिंग एवं प्रवर्तन की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

तत्काल अधिकारी को सूचित करने के निर्देश दिए गए।

ब्रीफिंग में मतपत्र मोड़ने की निर्धारित प्रक्रिया मतदान अधिकारी तृतीय की भूमिका और मतदाता की मतपत्र सही तरीके से मोड़कर देने की प्रक्रिया पर चर्चा की गई। मतपेटिकाओं की वीडियोग्राफी और मतदान के बाद मतपेटिकाओं को बरेली ले जाने की व्यवस्था के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि पीठासीन अधिकारी और अन्य मतदान कार्मिक मतदान केंद्र पर मोबाइल फोन नहीं लेकर जाएंगे। सभी कार्मिक पूरी सतर्कता निष्पक्षता और जिम्मेदारी के साथ दायित्व निभाएं। निर्वाचन कार्य में छोटी त्रुटिप्राप्ती बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी कार्मिक एसओपी के अनुसार कार्य करें। जिलाधिकारी ने सभी पोलिंग पार्टियों को निर्वाचन सामग्री का मिलान कर निर्धारित मतदेय स्थलों पर पहुंचने और मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण निष्पक्ष और त्रुटिरहित ढंग से सम्पन्न कराने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी राम आशीष डिउटी कलेक्ट्रेट नौरज कुमार द्विवेदी सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी और पोलिंग पार्टियां उपस्थित रहें।

डीएम के आदेश पर शुरू हुआ अतिक्रमण हटाओ अभियान एक दुकान की पेढ़ियां तुड़वाकर थम गया



नगीना/बिजनौर (सब का सपना):— संपूर्ण समाधान दिवस में सभासदों की शिकायत पर डीएम उमेश प्रताप सिंह ने अतिक्रमण हटाने के आदेश दिए थे। उस आदेश का पालन करते हुए पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी दुकान के आगे किए गए स्थाई अतिक्रमण को हटाने के लिए पहुंची। बुधवार की दोपहर नायब तहसीलदार नगीना अंकित कुमार व नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी सतीश कुमार



रोड पर बनी छोटी सी दीवार को गिरा दिया। नायब तहसीलदार नगीना अंकित कुमार व नगर पालिका के ईओ सतीश कुमार ने बताया कि संपूर्ण समाधान दिवस में लोगों द्वारा की गई शिकायत पर डीएम उमेश प्रताप सिंह ने दो दिन में स्थाई अतिक्रमण हटाने के आदेश दिए थे। नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी सतीश कुमार ने बताया कि दस दिन पूर्व इस बाजार के 31 दुकानदारों को

नजीबाबाद में राम-भरत मिलाप के साथ संपन्न हुआ प्रभु श्रीराम का भव्य राजतिलक



बिजनौर/नजीबाबाद (सब का सपना):— नजीबाबाद में श्री राम जानकी कला परिषद द्वारा आयोजित रामलीला के मंचन में धार्मिक उत्साह और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। चौक बाजार में 21 अक्टूबर की रात आयोजित 'राम-भरत मिलाप' लीला के दौरान 14



वर्ष के वनवास के पश्चात नंदीग्राम पहुंचे भगवान राम का उनके भाई भरत व शत्रुघ्न से भावुक मिलन देख श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। रोशनी और फूलों से सजे चौक बाजार में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रभु की आरती उतारी और प्रसाद वितरित किया गया। तत्पश्चात रामलीला मैदान के

मारपीट के मामले में अफजलगढ़ पुलिस को सफलता, आरोपी के कब्जे से तमंचा और हंसिया बरामद

अफजलगढ़/बिजनौर (सब का सपना):— मारपीट और धारदार हथियार से हमला करने के मामले में अफजलगढ़ पुलिस ने वांछित आरोपी हसीन अहमद को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 315 बोर का तमंचा और एक हंसिया बरामद किया है। वहीं घटना में प्रयुक्त वश 300 कार को मोटर वाहन अधिनियम की धारा 207 के तहत सीज कर दिया गया है। पुलिस के अनुसार 18 अक्टूबर को मोहल्ला बेगम सराय निवासी कफील अहमद पुत्र स्वर्गीय शमीम अहमद ने तहरीर देकर आरोप लगाया था कि



हसीन पुत्र नसीम अहमद, फैसल पुत्र नसीम अहमद निवासी मोहल्ला बेगम सराय और अब्दुल रहीम पुत्र अब्दुल रशीद निवासी मोहल्ला मियांजी मोखा ने एकराय होकर उनके और

उनके भाई के साथ मारपीट की तथा धारदार हथियार से हमला कर घायल कर दिया। घटना के बाद आरोपी फरार हो गए थे। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर

रामायण देखकर घर लौट रहे युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

चोर-चोर का शोर मचने पर भागने के दौरान बेहोश होकर गिरने की पुलिस ने जताई आशंका, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):— थाना क्षेत्र के गांव सुहागपुर में 30 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से हड़कंप मच गया। युवक पड़ोसी गांव मोहम्मदपुर सादा में प्रोजेक्टर पर रामायण देखने के बाद अपने साथी के साथ घर लौट रहा था। रास्ते में हुई घटना के बाद उसकी मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने एक दुकानदार और उसके परिजनों पर गला घोटकर हत्या करने का आरोप लगाया है। वहीं, पुलिस प्रथम दृष्टया चोर-चोर का शोर मचने पर भागने के दौरान युवक के बेहोश होकर गिरने की बात कह रही है। जानकारी के अनुसार, गांव सुहागपुर निवासी 30 वर्षीय विपिन कुमार अपने साथी



गजेन्द्र के साथ पड़ोसी गांव मोहम्मदपुर सादा में प्रोजेक्टर पर रामायण देखने गया था। बताया जाता है कि रात करीब 10 बजे दोनों वापस गांव पहुंचे। इसी दौरान एक युवक के साथ विवाद होने की बात सामने आई है। घटना के बाद विपिन की हालत बिगड़ गई और वह सड़क

पर गिर पड़ा। परिजनों और ग्रामीणों ने दुकानदार तथा उसके परिजनों पर विपिन की गला घोटकर हत्या करने का आरोप लगाया है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और विपिन को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सीएचसी) धामपुर पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे

खनन से सरकारी राजस्व को चपत, मानकों को दरकिनार कर मालान नदी में खुदाई का आरोप

बिजनौर (सब का सपना):— जनपद की मालान नदी में कथित अवैध खनन का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। नदी में निर्धारित क्षेत्रफल और स्वीकृत मार्कों से बाहर जाकर खनन किए जाने के आरोप लग रहे हैं। स्थानीय लोगों का दावा है कि नदी में पोकलेन मशीनों के जरिए बड़े पैमाने पर खनन सामग्री निकाली जा रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि मालान नदी में टीम ग्राथ प्राइवेट लिमिटेड के नाम से आवंटित खनन पट्टे को लेकर गंभीर आरोप हैं। ग्रामीणों का कहना है कि स्वीकृत

खनन क्षेत्र से बाहर करीब दो किलोमीटर तक के दायरे में भी खुदाई की जा रही है। यदि ऐसा है तो यह निर्धारित मानकों और स्वीकृत सीमा की जांच का गंभीर विषय है। स्थानीय लोगों ने खनन सामग्री के सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था को हटाने का आरोप लगाया है। आरोप है कि नदी से निकाली जा रही सामग्री आपराधिक के स्टोन क्रशरों तक पहुंचाई जा रही है और वाहनों के परिवहन के दौरान वैध रॉयल्टी प्रपत्रों की उपलब्धता की भी जांच होनी चाहिए। ग्रामीणों का कहना है कि दिनभर नदी क्षेत्र में डंपरों की

आवाजाही और खनन मशीनों की गतिविधियां जारी रहती हैं। ऐसे में खनन, परिवहन और राजस्व विभाग की संयुक्त निगरानी की आवश्यकता है। नदी के प्रवेश और निकासी मार्गों पर सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि प्रमुख क्षेत्रों पर प्रभावी कैमरे लगाए जाएं और उनकी रिकॉर्डिंग नियमित रूप से सुरक्षित रखी जाए, तो वाहनों की संख्या और आवाजाही का पता लगाया जा सकता। स्थानीय लोगों के

अनुसार खनन गतिविधियों को लेकर प्रशासन और उच्चाधिकारियों को शिकायतें दी गई थीं, इसके बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने मांग की है कि संबंधित विभाग स्वीकृत खनन क्षेत्र, खुदाई की गहराई, निकाली गई सामग्री की मात्रा, वाहनों के दस्तावेज और सीसीटीवी रिकॉर्ड की निष्पक्ष जांच कराए ताकि सरकारी राजस्व की सुरक्षा के साथ नदी क्षेत्र में निर्यातित खनन मानकों का पालन सुनिश्चित हो सके।

गौशाला और आश्रम पर लगाए गए आरोपों को प्रबंधन ने बताया निराधार

गाली-गलौज, धमकी और बदनाम करने का आरोप; गौशाला प्रबंधन ने पुलिस से की कार्रवाई की मांग

बिजनौर (सब का सपना):— मंडावली थाना क्षेत्र स्थित श्री विश्वकर्मा गौशाला एवं सिद्धगुरु सरभंग बाबा के आश्रम को लेकर विवाद सामने आया है। श्रद्धालुओं से पैसे लेने, गौशाला की गायों का दूध बेचने तथा बाबा को आश्रम में कैद रखने जैसे आरोपों को गौशाला प्रबंधन और श्रद्धालुओं ने निराधार बताया है। वहीं, गौशाला प्रबंधन ने कुछ लोगों पर गाली-गलौज करने, धमकी देने और संस्था की छवि धूमिल करने का आरोप लगाया है। इस संबंध में प्रबंधन की ओर से थाना मंडावली के प्रभारी निरीक्षक को शिकायती पत्र देकर मामले की जांच



कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है। शिकायत के अनुसार, 19 अक्टूबर को दोपहर करीब 12 बजे सिद्धगुरु सरभंग बाबा आश्रम में श्रद्धालुओं को भभूत

वितरित कर रहे थे। इसी दौरान चार लोग गौशाला पहुंचे। आरोप है कि भभूत लेने को लेकर विवाद हुआ और इस दौरान कुछ लोगों ने अभद्रता करते हुए गाली-गलौज की। प्रबंधन

का यह भी आरोप है कि संबंधित लोगों ने गौशाला को बदनाम करने की धमकी दी। गौशाला प्रबंधन ने कुछ लोगों पर ब्लैकमेल करने का आरोप लगाते हुए पुलिस से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।

प्रबंधन का कहना है कि गौशाला और आश्रम को लेकर लगाए जा रहे आरोप निराधार हैं और संस्था की छवि खराब करने का प्रयास किया जा रहा है। फिलहाल, मामले में गौशाला प्रबंधन की ओर से शिकायत देकर पुलिस से कार्रवाई की मांग की गई है। आरोपों की पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी।

नगीना क्षेत्र के डिग्री कॉलेजों में मतदाता जागरूकता दिवस मनाया गया

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):— शासन के निर्देशानुसार मतदाता बनाए जाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत नगीना क्षेत्र के डिग्री कॉलेजों में मुख्य अतिथि निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/एसडीएम नगीना ने छात्र/छात्राओं को संबोधित करते हुए सरकार द्वारा 17 से 24 अक्टूबर तक विशेष मतदाता जोड़ो अभियान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। शासन के निर्देशानुसार मतदाता बनाए जाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत संतोष स्मारक महाविद्यालय दोदराजपुर व एल आर एस डिग्री कॉलेज नगीना में मतदाता दिवस का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य



अतिथि निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/एसडीएम नगीना प्रिंस कुमार यादव रहे, उन्होंने छात्र/छात्राओं को संबोधित करते हुए बताया कि सरकार द्वारा 17 से 24 अक्टूबर तक विशेष मतदाता जोड़ो अभियान चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत 18 वर्ष की आयु पूरी कर

चुके युवाओं के वोट बनाए जाने आवश्यक हैं, ऐसे छात्र/छात्राएं जिनका अभी वोट नहीं बना है, और उनकी आयु 18 वर्ष हो चुकी है, वह अपना वोट 24 तारीख तक हर हालत में फार्म 6 भरकर बीएलओ के पास जमा करके बनवा लें, तथा जागरूकता के परिप्रेक्ष्य में ऐसे

मतदाता जिनकी मृत्यु हो चुकी है, जो पलायन कर गए हैं, या जिनकी शादी हो गई है, वह फॉर्म 7 भरकर अपना वोट पृथक करा लें इस अवसर पर राजस्व निरीक्षक अमरेश दत्त शर्मा, लेखपाल अजय कुमार, टी.टी. कुमार विश्‍नोई तथा महाविद्यालय स्टाफ में प्रबंधक डॉ. संदीप शर्मा, रविंद्र कुमार, रोहित सिंह, मोहित शर्मा, कपिल शर्मा, मदन सिंह, मोनी, एवं सैकड़ों की संख्या में छात्र/छात्राएं उपस्थित रहे तथा जिन छात्राओं के वोट बनने से रह गए थे, उन्हें फार्म 6 वितरित किए गए और जानकारी दी गई की 24 तारीख तक फार्म 6 कंप्लीट करके अपने बूथ लेवल अधिकारी को जमा कराए।

नजीबाबाद में खाकी की बड़ी कार्रवाई, मेडिकल स्टोर की आड़ में नशे का कारोबार करने वाले 2 गिरफ्तार

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):— नजीबाबाद पुलिस ने नशे के काले कारोबार का पर्दाफाश करते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 1,124 प्रतिबंधित स्पामो कैप्सूल बरामद किए गए हैं। पकड़े गए आरोपियों में एक मेडिकल स्टोर संचालक भी शामिल है, जो अपनी दुकान की आड़ में नशीले कैप्सूल बेच रहा था। पुलिस के अनुसार सूचना के आधार पर संतोमालन निवासी वासु मित्तल को पहले गिरफ्तार किया गया,



जिसके पास से 164 नशीले कैप्सूल मिले। पछताछ में उसकी निशानदेही पर ग्राम गुनियापुर स्थित निर्वांल

मेडिकल स्टोर पर छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान दुकान संचालक विनीत निर्वांल निवासी गाजीपुर

हिदायत को गिरफ्तार किया गया। दुकान के पीछे बने गोदाम से 960 कैप्सूल (4 डिब्बे) जब्त किए गए। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे मेडिकल स्टोरों का लाइसेंस निरस्त कर दुकान को सील किया जाए तथा इस रैकेट से जुड़े अन्य लोगों की भी जांच कर कठोर कार्रवाई की जाए।

स्वच्छता का शोर, हकीकत में बदहाली, नजीबाबाद के मुख्य बाजार में महिला शौचालय नहीं

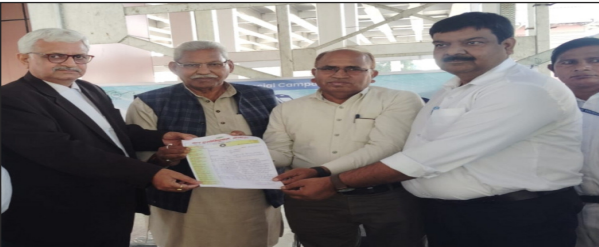
नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):— नगर पालिका परिषद नजीबाबाद द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण के नाम पर दीवारों पर "खुले में शौच न करें" जैसे स्लोगन लिखे जा रहे हैं, लेकिन धरातल पर स्थिति बदहाल है। नजीबाबाद के सबसे व्यस्त क्षेत्र चौक बाजार से राजकीय इंटर कॉलेज (GIC) तक महिलाओं के लिए एक भी शौचालय की व्यवस्था नहीं है। बताया जा रहा है कि प्रतिदिन हजारों महिलाएं खरीदारी के लिए बाजार आती हैं, लेकिन



शौचालय न होने से उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। वहीं पुरुषों के लिए जो शौचालय बने

हैं, उनमें गंदगी और बदबू के कारण जाना मुश्किल है। स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों ने नाराजगी जताते हुए

नगीना रेलवे स्टेशन पर सुपरफास्ट और पैसेंजर ट्रेनों के ठहराव की मांग



नगीना/बिजनौर (सब का सपना):— रेल मंत्रालय के निर्देश पर जनसंवाद एवं निरीक्षण कार्यक्रम के तहत गुरुवार को उत्तर रेलवे के सहायक सैक्रेट एवं दूरसंचार अभियंता विजेन्द्र सिंह मुरादाबाद से नगीना रेलवे स्टेशन पहुंचे। उन्होंने रेल यात्रियों एवं स्थानीय लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान बार एसोसिएशन, सराफा एसोसिएशन और नगर के सभासदों सहित विभिन्न संगठनों ने ज्ञापन सौंपकर नगीना स्टेशन पर सुपरफास्ट, एक्सप्रेस एवं पैसेंजर ट्रेनों के ठहराव की मांग की। गुरुवार पूर्वाह्न करीब 11 बजे अधिकारी नगीना स्टेशन पहुंचे। यहां

सराफा एसोसिएशन अध्यक्ष गौरव अग्रवाल, बार एसोसिएशन अध्यक्ष एडवोकेट दीपक विश्‍नोई, महासचिव एडवोकेट मोहम्मद नईम, पूर्व विधायक सतीश गौतम सहित अन्य लोगों ने ज्ञापन सौंपे। ज्ञापन में काठगोदाम-देहरादून एक्सप्रेस (14119/14120), प्रयागराज-ऋषिकेश एक्सप्रेस (14229/14230), जयनगर-अमृतसर (14649/14650), गोरखपुर-देहरादून एक्सप्रेस (15005/15006), रामनगर-देहरादून एक्सप्रेस (15310/15311), टनकपुर- देहरादून एक्सप्रेस (15020/15021), रामनगर-



चंडीगढ़ एक्सप्रेस (15063/15064) तथा वंदे भारत एक्सप्रेस (26503/26504) सहित सहारनपुर से प्रयागराज की ओर जाने वाली पैसेंजर ट्रेनों के ठहराव की मांग की गई। ज्ञापन में कहा गया कि इन ट्रेनों के ठहराव से वादकारियों, अधिवक्ताओं, व्यापारियों और आम यात्रियों को सुविधा मिलेगी और रेलवे राजस्व में भी वृद्धि होगी। साथ ही प्लेटफॉर्म नंबर एक और दो पर यात्रियों के बैठने की व्यवस्था, छोटे शेड बनवाने और प्लेटफॉर्म एक पर जीआरपी चौकी बहाल करने की मांग की गई। सभासद संजीव शर्मा, शां

मलिक, मकसूद उस्मानी सहित अन्य लोगों ने सुबह, दोपहर और शाम की पैसेंजर ट्रेनों पुनः शुरू कराने, ई-रिक्शा के जमावड़े और प्रवेश द्वार पर बाहरी वाहनों की पार्किंग पर रोक लगाने की भी मांग उठाई। अधिकारी विजेन्द्र सिंह ने आश्वासन दिया कि प्राप्त सभी शिकायतों और सुझावों को ऑनलाइन माध्यम से रेल मंत्रालय दिल्ली भेजा जाएगा और यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर स्टेशन अधीक्षक सत्यवीर सिंह सहित रेलवे कर्मचारी मौजूद रहे।



अनुपम खेर ने शेयर किया इमोशनल नोट, कहा- मां से मिले दो महीने हो गए, पूछ रही हैं, ‘तू कब आएगा?’

दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर इन दिनों घर और परिवार से दूर अपने काम में व्यस्त चल रहे हैं। अभिनेता अनुपम खेर ने अपनी मां दुलारी को याद करते हुए एक इमोशनल पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने बताया कि मां से मिले हुए लगभग दो महीने हो गए हैं। अनुपम ने इंस्टाग्राम पर अपनी मां की दो तस्वीरें शेयर कीं और बताया कि वह रोज भाई राजू खेर के फोन पर फेसटाइम के जरिए उनसे बात करते हैं। अनुपम खेर ने फोटो के साथ पोस्ट में लिखा, ‘मां से मिले लगभग दो महीने हो गए हैं। हालांकि, रोजाना राजू के फोन पर फेसटाइम पर बात हो जाती है, क्योंकि मां स्मार्टफोन नहीं चलाती हैं। आज बात करते-करते बोलीं, तू कब आएगा? कितने दिन हो गए तुझसे मिले हुए। तू मेरी शक्ल भूल तो नहीं गया?’ अभिनेता ने बताया कि मां की बात सुनकर वह भावुक हो गए। उन्होंने लिखा, ‘मां की यह बात सुनकर हंसी भी आई और आंखें भी भर आईं। कितनी मासूम है मां। मैं वीडियो कॉल पर उनसे बात कर रहा था और मुझे समझ में आ रहा था कि वो क्या कहना चाहती हैं। असल, में वह जब तक मुझे गले न लगा लें, पास बैठकर जी भर के बातें न कर लें, तब तक मां के लिए कहां मिलना होता है।’ अनुपम खेर ने आगे लिखा, ‘फोन पर तो बस चेहरा दिख जाता है, लेकिन बच्चे के घर आने का इंतजार तो वहीं का वहीं रहता है।’ अभिनेता ने बताया कि मां फिर बोलीं, ‘अच्छा चल, अपना खयाल रख। कोई बात नहीं।’ कोई बात नहीं।’ उन्होंने कहा कि मां की इस कोई बात नहीं में कितना कुछ होता है। अभिनेता ने अपनी मां के लिए लिखा, ‘कैसे बताऊं आपको मां, आपका चेहरा मेरे दिल में बसा हुआ है। आंखें बंद करता हूँ, तो आपके हजारों चेहरे नजर आते हैं। कभी हंसते हुए, कभी डांटते हुए, कभी फिक्र करते हुए और हर बार उतना ही प्यार करते हुए। आपका चेहरा कैसे भूल सकता हूँ, मां? मेरी तो पूरी दुनिया ही आपके आंचल में है।’

मीका सिंह ने जताई चिंता

अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग की घटना के बाद गायक मीका सिंह ने मुंबई में सार्वजनिक सुरक्षा पर चिंता जताई है। सिंह ने सरकार और संबंधित अधिकारियों से नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मजबूत कदम



उठाने का आग्रह किया। सोशल मीडिया पर मीका ने इस घटना पर चिंता व्यक्त की और कहा कि मुंबई को पारंपरिक रूप से भारत के सबसे सुरक्षित शहरों में से एक माना जाता है, जहां लोग, विशेषकर महिलाएं, देर रात यात्रा करने और चलने में आत्मविश्वास महसूस करती हैं। उन्होंने लिखा, मुंबई को हमेशा

से भारत के सबसे सुरक्षित शहरों में से एक के रूप में जाना जाता है, जहां लोग-खासकर महिलाएं- देर रात तक चलने, काम करने और यात्रा करने में आत्मविश्वास महसूस करती हैं। लेकिन टाइगर श्रॉफ से जुड़ी घटना के बाद, यह हमारी सुरक्षा के बारे में गंभीर चिंता पैदा करता है। गायक ने इस बात पर जोर दिया कि किसी को भी शहर में घूमते समय डर महसूस नहीं होना चाहिए और अधिकारियों से मामले को गंभीरता से लेने की अपील की।



रोमांस और संगीत का जादू कभी खत्म नहीं होता: गुरमीत चौधरी

अपनी आगामी रोमांटिक म्यूजिकल फिल्म तुम मेरे हो को लेकर बॉलीवुड अभिनेता गुरमीत चौधरी उत्साहित हैं। गुरमीत की यह फिल्म एक प्रेम कहानी पर आधारित है जिसमें आठ गाने मौजूद हैं। गुरमीत का मानना है कि बॉलीवुड में रोमांस और संगीत का जादू कभी खत्म नहीं होता। उन्होंने कहा कि फिल्मों में कहानियाँ और उनका प्रस्तुतिकरण भले ही समय के साथ बदलता रहे, लेकिन प्यार की कहानियाँ और दिल को छू लेने वाले गीत हमेशा दर्शकों के दिलों में अपनी खास जगह बनाए रखते हैं। गुरमीत चौधरी ने बातचीत में बताया कि तुम मेरे हो को काफी प्यार के साथ बनाया गया है। इसमें रोमांस, म्यूजिक और एक खूबसूरत लव स्टोरी देखने को मिलेगी। उन्होंने आगे कहा कि फिल्म में कुल आठ गाने हैं, जिन्हें बेहतरीन म्यूजिक कंपोजर्स और सिंगर्स ने तैयार किया है, और तीन गाने तो पहले ही हिट हो चुके हैं। गुरमीत के अनुसार, प्यार की कहानियों की अपनी एक अलग जगह होती है; एक अच्छी लव स्टोरी हमेशा लोगों के दिलों से जुड़ती है और इसका असर लंबे समय तक बना रहता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि तुम मेरे हो सिर्फ रोमांस पर आधारित फिल्म नहीं है, बल्कि इसमें म्यूजिक भी कहानी का एक अहम हिस्सा है। बॉलीवुड में रोमांटिक फिल्मों की लोकप्रियता पर बात करते हुए गुरमीत ने कहा कि पिछले कुछ सालों में कई इंटेंस कहानियाँ वाली फिल्में आई हैं और दर्शकों ने उन्हें पसंद भी किया है। हालाँकि, अच्छी कहानियाँ और यादगार गानों वाली रोमांटिक फिल्मों का अपना अलग क्रेज आज भी बना हुआ है। उन्होंने आशिकी, आशिकी 2 और सैयारा जैसी फिल्मों का उदाहरण देते हुए कहा कि इन फिल्मों में म्यूजिक और रोमांस का मेल दर्शकों को हमेशा आकर्षित करता रहा है। गुरमीत ने समझाया कि अच्छी धुनें और प्यार से जुड़ी कहानियाँ लोगों के साथ आसानी से जुड़ जाती हैं, और यही वजह है कि रोमांटिक फिल्मों के गाने लंबे समय तक लोगों की जुबान पर रहते हैं और फिल्म की पहचान बन जाते हैं। उन्होंने भारतीय संस्कृति में संगीत की अहम जगह को भी उजागर किया। गुरमीत ने

कहा कि हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में भी संगीत किसी न किसी रूप में शामिल रहता है। घर में सुबह उठने से लेकर डांट खाने तक, हर मौके पर गाने याद आ जाते हैं। ऐसे में अगर किसी फिल्म में अच्छे गाने हों, तो दर्शकों के सिनेमाघरों तक पहुँचने की संभावना भी बढ़ जाती है।



पुलिस की नौकरी बहुत मुश्किल है, लेकिन कुछ लोग पावर का गलत इस्तेमाल करते हैं: मनोज बाजपेयी

अभिनेता मनोज बाजपेयी सस्पेंस थ्रिलर फिल्म ‘गजब रात’ में अजय दीक्षित नाम के एक पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आएंगे। अभिनेता ने बताया कि वह सिर्फ वर्दी का अपना किरदार नहीं निभा रहे हैं, बल्कि वर्दी के पीछे जो इंसान है, उसकी कहानी निभा रहे हैं। मनोज बाजपेयी ने कहा, ‘मैं किसी भी वर्दी का किरदार नहीं निभा रहा हूँ, बल्कि वर्दी के पीछे एक इंसान का किरदार निभा रहा हूँ। मेरा मानना है कि हर व्यक्ति की अपनी कहानियाँ, परेशानियाँ और सफर होता है, तो हम बस उसे ही दिखाने का प्रयास कर रहे हैं।’

मनोज ने बताया कि उनके लिए वर्दी से ज्यादा उस इंसान और उसकी जिंदगी को दिखाना जरूरी है। उन्होंने कहा, ‘हम किरदार पर ज्यादा ध्यान देते हैं, उसके पेशे पर नहीं। जब उसके पीछे की कहानी बनती है, तो वो सब कुछ खुद ही बता देती है। इसीलिए आपको मेरा कोई भी किरदार एक जैसा नहीं लगेगा।’ अभिनेता का मानना है कि पुलिस की नौकरी बहुत मुश्किल और चुनौतीभरी होती है और उनके कई दोस्त खुद पुलिस में हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ पुलिस वाले अपनी पावर का गलत इस्तेमाल भी करते हैं।

मनोज बाजपेयी ने कहा, ‘हर पेशे में अलग-अलग तरह के लोग होते हैं, तो मेरे लिए ये देखना बेहद जरूरी है कि मैं जिससे बात कर रहा हूँ, जिसका काम देख रहा हूँ या जिसकी तारीफ और बुराई हो रही है, तो वाकई उसके लिए ठीक है या नहीं। मैं जानता हूँ कि पुलिस की ड्यूटी बहुत ही मुश्किल होती है। मेरे बहुत सारे अच्छे दोस्त पुलिस में हैं, लेकिन कई बार हम ऐसी खबरें भी पढ़ते हैं, जहां कुछ लोग अपनी ताकत का गलत इस्तेमाल करते हैं।’ उन्होंने आगे कहा, ‘वैसे ही हमारी इंडस्ट्री में भी बहुत सारे अच्छे एक्टर्स हैं, लेकिन एक-दो लोगों की वजह

से पूरी इंडस्ट्री की बदनामी हो जाती है। हमेशा ऐसा होता है कि आप किसी को हमारे पेशे में एकदम भगवान बना देते हैं और फिर बाद में किसी दूसरे के गलत करने पर उस पर भी सवाल उठाने लगते हैं। हमें हर इंसान को अलग-अलग नजर से देखना चाहिए और मैं यही करता हूँ।’ रितेश शाह द्वारा निर्देशित फिल्म एक वन-नाइट थ्रिलर है, यानी पूरी कहानी एक ही रात के घटनाक्रम पर आधारित है। इसमें मनोज बाजपेयी के अलावा, नुसरत भरucha, दिव्या दत्ता, साकिब सलीम और अक्षय ओबेरॉय भी अहम भूमिकाओं में हैं।

बचपन में सीता का किरदार निभाया करती थीं हर्षिता गौर

सीरीज मिर्जापुर की अभिनेत्री हर्षिता गौर ने अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए दशहरे के त्योहार से जुड़ी खूबसूरत यादें साझा की हैं। सीरीज में डिम्पी पंडित और सद्भा हक में संयुक्तों के किरदार से घर-घर में पहचान बनाने वाली हर्षिता गौर ने बताया कि दिल्ली में दशहरा एक खास रौनक लेकर आता था, और वह बचपन में स्कूल व सोसायटी के कार्यक्रमों में सीता का किरदार निभाया करती थीं। यह त्योहार उनके परिवार और शहर के उत्साह का प्रतीक था, और रावण दहन के बड़े-बड़े पुतले उनकी यादों का एक अविस्मरणीय हिस्सा रहे हैं। हर्षिता गौर ने कहा, दिल्ली में दशहरे की अपनी अलग रौनक होती है, खासकर जब आप इसे बचपन की यादों के साथ देखते हैं। उन्होंने रावण के विशाल पुतलों को लेकर बचपन में होने वाले उत्साह और त्योहार के दौरान पुरे शहर में नजर आने वाले जश्न का जिक्र किया। अभिनेत्री ने अपनी उन यादों को भी साझा किया जब वह दशहरे पर स्कूल या अपनी सोसायटी के मैदान में होने वाले नाटकों में सीता का किरदार निभाती थीं। उन्होंने कहा कि वे यादें आज भी उनके साथ हैं, और परिवार के साथ बाहर जाकर जश्न का हिस्सा बनना तथा सबके साथ मिलकर त्योहार मनाना, इन सब चीजों

ने दशहरे को उनके लिए खास बनाया। अपने पुराने दिनों को याद करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि जिंदगी में आगे बढ़ने के बाद भी बचपन के ये पल हमेशा याद रहते हैं। उन्होंने महसूस किया कि कई बार साधारण-सी दिखने वाली यादें ही समय के साथ सबसे खास बन जाती हैं। हर्षिता ने कहा, आज जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूँ, तो इन्हें छोटे-छोटे पलों को सबसे ज्यादा संजोकर रखती हूँ। बचपन की ये यादें उसके बीत जाने के लंबे समय बाद भी आपके साथ रहती हैं। वर्कफंट की बात करें तो, हर्षिता गौर हाल ही में मिर्जापुर-द मूवी में नजर आई थीं। यह गैंगस्टर ड्रामा फिल्म मिर्जापुर की दुनिया पर आधारित है, जिसका निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है। इस फिल्म में पंकज त्रिपाठी, अली फजल, दिव्येंद्र, जितेंद्र कुमार और रवि किशन जैसे जाने-माने कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म वेब सीरीज के पहले सीजन की कहानी के दौरान की घटनाओं को दर्शाती है। इसके अलावा, हर्षिता ओटीटी पर क्राइम ड्रामा सीरीज वेटिंग हे में भी नजर आई थीं, जिसका निर्देशन समीर विद्वांस ने किया था। इस सीरीज में दिव्येंद्र, भुवन अरोड़ा, कुमुद मिश्रा और सुनीता राजवर जैसे कलाकार भी शामिल थे।

नई नवेली ने दो दिनों में कमाए 10.3 करोड़



यामी गौतम अभिनीत फिल्म ‘नई नवेली’ बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ मजबूत करती नजर आ रही है। फैंटेसी और फैमिली एंटरटेनमेंट से भरपूर इस फिल्म ने रिलीज के दूसरे दिन कमाई में बढ़त दर्ज की है। फिल्म ने पहले दिन दुनियाभर में 4.6 करोड़ रुपये का ग्राँस कलेक्शन किया था, जबकि दूसरे दिन 5.7 करोड़ रुपये कमाए। इस तरह फिल्म का कुल वर्ल्डवाइड ग्राँस कलेक्शन दो दिनों में 10.3 करोड़ रुपये हो गया है। मेकर्स को उम्मीद है कि त्योहारों के सीजन में फिल्म को परिवारों का अच्छा साथ मिलेगा। ‘नई नवेली’ की दूसरे दिन की कमाई में आई बढ़त से मेकर्स को आने वाले दिनों के लिए उम्मीदें हैं। फिल्म की कहानी, फैंटेसी से भरी दुनिया और यामी गौतम के नए अवतार को दर्शकों के सामने इसकी खासियत के तौर पर पेश किया जा रहा है। फिल्म में महाकाव्य की कहानी को पारिवारिक भावनाओं और एक्शन के साथ जोड़ने की कोशिश की गई है। मेकर्स के मुताबिक, फिल्म में अनोखे किरदार, अप्रत्याशित ट्विस्ट और अच्छाई-बुराई के बीच की लड़ाई देखने को मिलती है। यही वजह है कि इसे फैमिली एंटरटेनर के तौर पर दर्शकों तक पहुंचाया जा रहा है।

विजयादशमी पर पुरी पहुंचे बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा, श्रीमंदिर में भगवान जगन्नाथ के किए दर्शन

बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा ने विजयादशमी के मौके पर ओडिशा के पुरी में मौजूद श्रीमंदिर के दर्शन किए। उन्होंने भगवान जगन्नाथ की पूजा-अर्चना करने के साथ सभी के लिए, खासकर बच्चों के लिए, ईश्वरीय आशीर्वाद मांगा। इस दौरान गोविंदा ने कहा कि विजयादशमी के अवसर पर प्रभु ने मुझ पर यह कृपा की कि मैं यहां आकर प्रार्थना और पूजा कर पाया। मैं धन्यवाद देता हूँ इस भूमि का, यहां से जुड़े हुए हर वर्ग का और यहां के जो-जो कलाकार हैं, जहां-जहां है उनको। उन्होंने कहा, ‘यहां जो राज्य कृपा है, वह सदैव रहे। जय मां। भूल-चूक क्षमा करना। मैं प्रार्थना करता हूँ कि जो कृपा हम पर रही, वही मेरे बच्चों पर भी रहे।’ इस दौरान उन्होंने ‘महामृत्युंजय मंत्र’ का भी जाप किया और सभी के मंगल की कामना की। बता दें कि गोविंदा हिंदी सिनेमा के एक लोकप्रिय अभिनेता होने के साथ-साथ डांसर और राजनेता हैं। अपनी बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग और पढ़े पर की जाने वाली कॉमेडी की बदौलत, उन्हें बॉलीवुड का ‘कॉमेडी किंग’ भी माना जाता है।



1990 के दशक में, उन्होंने कॉमेडी और व्यंग्य की अपनी अनूठी शैली से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया और अपनी फिल्मों में कई तरह के अलग-अलग किरदार निभाए। अभिनेता ने 1980 के दशक में एक एक्शन हीरो के रूप में अपने करियर की शुरुआत की, लेकिन 1990 के दशक में उन्होंने खुद को एक कॉमेडी हीरो के रूप में फिर् से स्थापित किया। गोविंदा मुख्य रूप से ‘कुली नंबर 1’, ‘हीरो नंबर 1’, ‘आंटी नंबर 1’ और ‘अनाड़ी नंबर 1’ जैसी सुपरहिट मनोरंजक फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। एक्टर ने अपने तीन दशक लंबे करियर में 150 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। आज भी लोग फिल्मों में उनकी कॉमेडी और डांस मूव्स के दिवाने हैं।

